सत्यमेव जयते

वार्षिक रिपोर्ट
2015 – 16

nidm
Towards a disaster free India.....

राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन संस्थान
गृह मंत्रालय, भारत सरकार

एनआईडीएम की वार्षिक रिपोर्ट 2015–16

© एनआईडीएम, नई दिल्ली

प्रकाशक
राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन संस्थान (एनआईडीएम)
गृह मंत्रालय, भारत सरकार
नई दिल्ली – 110 002

राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन संस्थान

दृष्टिकोण

"भारत में आपदा जोखिम न्यूनीकरण और प्रबंधन पर प्रशिक्षण और अनुसंधान के लिए एक उत्कृष्ट संस्थान होना और इस क्षेत्र में अंर्तराष्ट्रीय स्तर पर अग्रणी संस्थानों में से एक के रूप में मान्यता प्राप्त करना। सभी स्तरों पर रोकथाम और तैयारियों की संस्कृति को विकसित और बढ़ावा देने के द्वारा आपदा मुक्त भारत बनाने की दिशा में लगातार प्रयास करना"

विषय सूची

1.	अवलोकन	1–4
	1.1 संस्थान के बारे में	2
	1.1.1 प्रबंधन संरचना	2
	1.1.2 दृष्टि	2
	1.1.3 विशेष कार्य	2
	1.1.4 गतिविधियां	3
	1.1.5 प्रमुख क्षेत्र	3
	1.1.6 ज्ञान एकीकरण	4
2.	प्रशिक्षण कार्यक्रम	5– 10
	2.1 उद्देश्य	6
	2.2 प्रतिभागियों की रूपरेखा	6
	2.3 प्रशिक्षण के तरीके	7
	2.4 आयोजित प्रशिक्षण कार्यक्रम	7
	2.5 ऑनलाइन प्रशिक्षण कार्यक्रम	8
	2.6 स्वय अध्ययन कार्यक्रम	9
	2.7 ''इनडीसडाटा'' प्रशिक्षण	9
3.	परियोजनाएं	11–14
	3.1 राष्ट्रीय चक्रवात जोखिम प्रबंधन परियोजना	12
	3.2 अध्ययन1: भारत में आपदा जोखिम में कटौती के लिए दीर्घकालिक प्रशिक्षण और क्षमता निर्माण रणनीति तैयार करना	12
	3.3 अध्ययन–II : आपदा पूर्व आवश्यकताएं, भारत के लिए आकलन अध्ययन	13
4.	ज्ञान प्रबंधन और जागरूकता गतिविधियां	15–28
	4.1 भारत आपदा संसाधन नेटवर्क (आईडीआरएन)	16
	4.2 एनआईडीएम वेबसाइट का नया रूप	18
	4.3 एनआईडीएम ऑनलाइन पाठ्यक्रम	18
	4.4 एनआईडीएम ट्रेनी डाटाबेस	19
	4.5 आपदा प्रबंधन के तहत वर्चुअल प्राइवेट नेटवर्किंग	19
	4.6 सूचना स्रोत उपलब्ध	20
	4.7 सूचना प्रसार	20
	4.8 सूचना, शिक्षा और संचार (आईईसी) सामग्री	25
5.	प्रमुख आयोजन/कार्यशालाएं/सम्मेलन/सेमिनार (अंतर्राष्ट्रीय और राष्ट्रीय)	29–38
	5.1 अर्न्तराष्ट्रीय	30
	5.2 राष्ट्रीय	33
6.	संगठनात्मक व्यवस्था	39–42
	6.1 संगठनात्मक संरचना	40
	6.2 एनआईडीएम संकाय	41
	6.3 सामान्य प्रशासन	41
	6.4 हिंदी का प्रगतिशील उपयोग	42
7.	वित्त और लेखा	43–44
8	अनुबन्ध की सूची	45–70
	8.1 अनुबंध i : एनआईडीएम में आयोजित आमने–सामने प्रशिक्षण की सूची	46
	8.2 अनुबंध ii : विभिन्न राज्यों और संघ शासित प्रदेशों के प्रतिभागियों की सूची	49
	8.3 अनुबंध iii : संस्थान के सदस्यों की सूची	50
	8.4 अनुबंध iv : संस्थान के शासी निकाय के सदस्यों की सूची	52
	8.5 अनुबंध v : बैलेंस शीट के साथ ऑडिट रिपोर्ट	53–70

लघुरूप

एडीआरसी : एशियाई आपदा न्यूनीकरण केंद्र
एडीपीसी : एशियाई आपदा तैयारी केंद्र
एटीसी : वार्षिक प्रशिक्षण सम्मेलन
एटीआई : प्रशासनिक प्रशिक्षण संस्थान
बीएमटीपीसी : भवन निर्माण सामग्री और प्रौद्योगिकी संवर्धन परिषद्
बीएसडीएमएटी: बिहार राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण
सीसीए : जलवायु परिवर्तन अनुकूलन
सी–डीएसी : उन्नत कंप्यूटिंग के विकास के लिए केंद्र
सीएसओ: केंद्रीय सांख्यिकी कार्यालय
सीडब्ल्यूसी : केन्द्रीय जल आयोग
डीडीएमए: दिल्ली आपदा प्रबंधन प्राधिकरण
डीएमः आपदा प्रबंधन
डीएसटी : विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग
डीएमसी : आपदा प्रबंधन केंद्र
डीआरआर : आपदा जोखिम न्यूनीकरण
डीएमएसः आपदा प्रबंधन सहायता कार्यक्रम
डीआरएमः आपदा जोखिम प्रबंधन
ईएएस–ईआरआर : पूर्वी एशिया शिखर सम्मेलन – भूकंप जोखिम न्यूनीकरण
एकडीआरएम : आपदा जोखिम प्रबंधन के लिए पर्यावरण ज्ञान
जीएफडीआरआर : आपदा न्यूनीकरण और रिकवरी के लिए वैश्विक सुविधा
जीआईडीएमः गुजरात आपदा प्रबंधन संस्थान
जीआईजेड : ड्यूश गेस्सेलस्फोर्ट फर इंटरनेशनल जुसममैनबीट
जीएसआई : भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण
आईसीआईएमओडी : एकीकृत पर्वत विकास के लिए अंतर्राष्ट्रीय केंद्र
आईसीएसएसआर : भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद्
आईडीकेएन : भारत आपदा ज्ञान नेटवर्क
आईडीआरएन : भारत आपदा संसाधन नेटवर्क
आईआईपीए : भारतीय लोक प्रशासन संस्थान
आईआईआरएस : इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ रिमोट सेंसिंग
आईएमडी : भारत मौसम विभाग

आईएनसीओआईएसः सागर सूचना सेवाओं के लिए भारतीय राष्ट्रीय केंद्र
आईएनजीओएस : अंतर्राष्ट्रीय गैर–सरकारी संगठन
आईजीईपी : इंडो–जर्मन पर्यावरण भागीदारी
आईएपीः अंतर्राष्ट्रीय एशियाई भागीदारी
आईएसडीआरः आपदा न्यूनीकरण के लिए अंतर्राष्ट्रीय रणनीति
इसरोः भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन
जीआईसीए : जापान अंतर्राष्ट्रीय सहयोग एजेंसी
गृह मंत्रालय : गृह मंत्रालय
एमओईएफ : पर्यावरण और वन मंत्रालय
एनसीआरएमपीः राष्ट्रीय चक्रवात जोखिम प्रबंधन परियोजना
एनडीएमएः राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण
एनडीआरएफः राष्ट्रीय आपदा प्रतिक्रिया बल
एनईसी : राष्ट्रीय कार्यकारी समिति
एनजीओ : गैर–सरकारी संगठन
एनआईआरडीः राष्ट्रीय ग्रामीण विकास संस्थान
एनआईडीएमः राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन संस्थान
एनआईआरडी : राष्ट्रीय ग्रामीण विकास संस्थान
पीडीएनए : आपदा पूर्व आवश्यकता आकलन
एसएएडीएमई : दक्षिण एशियाई वार्षिक आपदा प्रबंधन अभ्यास
पीएसयू : पब्लिक सेक्टर अंडरटेकिंग
एसडीएमसी : सार्क आपदा प्रबंधन केंद्र
एसएफडीआरआरः आपदा जोखिम में कटौती के लिए सेंडाइ फरेम कार्य
टीओटी : ट्रेनर्स का प्रशिक्षण
टीओएस : हितधारकों का प्रशिक्षण
संयुक्त राष्ट्र : संयुक्त राष्ट्र
यूएनडीपी : संयुक्त राष्ट्र विकास कार्यक्रम
यूएनईपी : संयुक्त राष्ट्र पर्यावरण कार्यक्रम
यूएनआईएसडीआर : आपदा न्यूनीकरण के लिए संयुक्त राष्ट्र अंतर्राष्ट्रीय रणनीति
यूएन–एसपीआईडीईआर : आपदा प्रबंधन और आपातकालीन प्रतिक्रिया के लिए अंतरिक्ष आधारित सूचना के लिए संयुक्त राष्ट्र मंच
वीपीएनः वर्चुअल प्राइवेट नेटवर्क
यूएसएआईडीः अंतर्राष्ट्रीय विकास के लिए संयुक्त राज्य अमेरिका एजेंसी
डब्लूबी : विश्व बैंक

अध्याय 1

अवलोकन

अध्याय – 1 अवलोकन

1.1 संस्थान के संबंध में

आपदा प्रबंधन अधिनियम (एनआईडीएम), 2005 के तहत 31.10.2006 को एनआईडीएम का गठन किया गया है जिसमें आपदा प्रबंधन, क्षेत्रीय विकास और राष्ट्रीय स्तर की जानकारी के विकास, आपदा प्रबंधन नीतियों, रोकथाम तंत्र और न्युनीकरण से संबंधित क्षेत्र के प्रशिक्षण और शोध के लिए जिम्मेदारी सौंपी गई है। जिसे 16 अक्टूबर 2003 को भारतीय लोक प्रशासन संस्थान के आपदा प्रबंधन राष्ट्रीय केंद्र द्वारा पुनः नामित किया गया। एनआईडीएम निरंतर और सभी स्तरों पर आपदा रोकथाम और तैयारियों को विकसित करने और बढ़ावा देने के द्वारा एक आपदा मुक्त भारत बनाने के मिशन की ओर अग्रसर है।

1.1.1 प्रबंधन संरचना

आपदा प्रबंधन (राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन संस्थान) के नियम 2006, के अनुसार संस्थान में 42 सदस्य हैं जिसमें विभिन्न प्रमुख मंत्रालयों, भारत सरकार के विभागों और राज्य सरकारों, राष्ट्रीय स्तर के प्रमुख वैज्ञानिक, अनुसंधान और तकनीकी संगठनों के अलावा प्रसिद्ध विद्वान, वैज्ञानिक और चिकित्सक भी शामिल है। केंद्रीय गृह मंत्री संस्थान के अध्यक्ष हैं। एनआईडीएम राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण द्वारा निर्धारित दिशानिर्देशों तथा व्यापक नीतियों के अनुसार कार्य करता है।

संस्थान का 15 सदस्यों का एक शासी निकाय है। राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के उपाध्यक्ष इसके अध्यक्ष और गृह सचिव इसके उपाध्यक्ष है। संस्थान के कार्यकारी निदेशक दिन–प्रतिदिन का प्रशासन चलाते हैं।

एनआईडीएम की 9वीं शासी निकाय की बैठक 19 जून, 2015 को आयोजित की गई।

एनआईडीएम के पास निम्न पांच शैक्षणिक प्रभाग हैं :

- निति योजना और क्रॉस कटिंग प्रभाग
- भौगोलिक खतरा प्रभाग
- हाइड्रो समुंख जोखिम प्रभाग
- प्रतिक्रिया प्रभाग
- ज्ञान प्रबंधन और संचार प्रभाग

1.1.2 दृष्टि

भारत में आपदा जोखिम प्रबंधन और प्रबंधन पर प्रशिक्षण और अनुसंधान के लिए उत्कृष्टता का एक उत्कृष्ट संस्थान होना और क्षेत्र में अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर अग्रणी संस्थानों में से एक के रूप में मान्यता प्राप्त करना। सभी स्तरों पर रोकथाम और तैयारियों की एक परंपरा को विकसित करना और बढ़ावा देने के द्वारा आपदा मुक्त भारत बनाने की दिशा में लगातार प्रयास करना।

1.1.3 विशेष कार्य

नीति तैयार करने में सहायता प्रदान करके सरकार के लिए विशेषज्ञ दल के रूप में काम करना

- आपदाओं के प्रभाव को कम करने में सुविधा प्रदान करने के लिए
- प्रशिक्षण और क्षमता निर्माण सेवाओं की योजना और प्रचार करना।
- राष्ट्रीय स्तर की जानकारी के आधार पर अनुसंधान, प्रलेखन और विकास
- प्रभावी आपदा तैयारियों और न्युनीकरण

के लिए व्यवस्था विकास और विशेषज्ञता पदोन्नति
- जागरूकता को बढ़ावा देना और सभी हितधारकों के ज्ञान और कौशल को बढ़ाना
- सभी हितधारकों के प्रशिक्षण और क्षमता निर्माण के लिए संस्थागत तंत्र को मजबूत बनाना
- नेटवर्किंग और सूचना, अनुभव और विशेषज्ञता का आदान प्रदान करना।

1.1.4 गतिविधियां

आपदा प्रबंधन अधिनियम 2005 के तहत, संस्थान को अन्य बातों के साथ निम्नलिखित कार्यों को सौंपा गया है

- प्रशिक्षण मॉड्यूल विकसित करना, आपदा प्रबंधन में अनुसंधान और प्रलेखन करना और प्रशिक्षण कार्यक्रम को व्यवस्थित करना
- आपदा प्रबंधन के सभी पहलुओं पर ध्यान देने के लिए एक व्यापक मानव संसाधन विकास योजना तैयार करना और कार्यान्वित करना
- राष्ट्रीय स्तर की नीति तैयार करने में सहायता प्रदान करना
- विभिन्न हितधारकों के लिए प्रशिक्षण और अनुसंधान कार्यक्रमों के विकास के लिए प्रशिक्षण और अनुसंधान संस्थानों को आवश्यक सहायता प्रदान करना
- राज्य स्तरीय नीतियों, रणनीतियों, आपदा प्रबंधन ढांचे के निर्माण और क्षमता निर्माण के लिए आवश्यक अन्य सहायता के रूप में राज्य सरकार और राज्य प्रशिक्षण संस्थानों को सहायता प्रदान करना
- शैक्षिक और व्यावसायिक पाठ्यक्रमों सहित आपदा प्रबंधन के लिए शैक्षिक सामग्रियों का विकास
- कॉलेज या स्कूल के शिक्षकों और छात्रों, तकनीकी कर्मियों और बहु–खतरा कम करने, तैयारियों और प्रतिक्रिया उपायों से जुड़े अन्य लोगों सहित हितधारकों के बीच जागरूकता को बढ़ावा देना
- उपरोक्त वस्तुओं को बढ़ावा देने के लिए देश के भीतर और बाहर अध्ययन पाठ्यक्रम, सम्मेलनों, व्याख्याताओं, सेमिनारों को व्यवस्थित करना और सुगम बनाना
- पत्रिकाओं, शोध पत्रों और पुस्तकों के प्रकाशन के लिए समर्थन प्रदान करना और पुस्तकालयों की स्थापना और रखरखाव आदि।

1.1.5 प्रमुख क्षेत्र

प्रशिक्षण

फेस–टू–फेस ट्रेनिंग : एनआईडीएम परिसर में और परिसर के बाहर विभिन्न विषयों पर प्रशिक्षण कार्यक्रमों को आयोजित करता है जिसमें वरिष्ठ और मध्यम स्तर के सरकारी अधिकारियों और अन्य लोगों के लिए कई विषयों और क्षेत्रों को शामिल किया जाता है।

वेब आधारित प्रशिक्षण : विश्व बैंक संस्थान वॉशिंगटन के सहयोग से संस्थान आपदा प्रबंधन से संबंधित विभिन्न विशिष्ट विषयों पर ऑनलाइन प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित करता है।

स्व अध्ययन पाठ्यक्रम : संस्थान ने वेब आधारित स्व अध्ययन पाठ्यक्रम पेश किए हैं, जो किसी भी समय, कहीं से भी प्रवेश कर सकते हैं

और पाठ्यक्रम के माध्यम से जाकर संवेदीकरण कर सकते हैं।

अनुसंधान और दस्तावेजीकरण

एनआईडीएम अपने प्रबंधन पर सबक सीखने और प्रशिक्षण कक्षाओं और अनुकार अभ्यास के लिए संसाधन सामग्री के रूप में मामले के अध्ययन का उपयोग करने के लिए देश में होने वाली प्रमुख आपदाओं पर दस्तावेजों का संगह करता है।

नीति अध्ययन और सहायता

राष्ट्रीय स्तर के दिशानिर्देशों, नीतियों और योजनाओं की तैयारी में एनआईडीएम ज्ञान और अनुसंधान संस्थान एमएचए और एनडीएमए को सहायता प्रदान करता है।

एनआईडीएम राज्य सरकारों और राज्य प्रशिक्षण संस्थानों को राज्य स्तर की नीतियों, रणनीतियों, आपदा प्रबंधन ढांचे के निर्माण और राज्य सरकारों या राज्य प्रशिक्षण संस्थानों द्वारा हितधारकों की क्षमता बढ़ाने के लिए आवश्यक सहायता प्रदान करता है।

1.1.6 ज्ञान एकीकरण

एनआईडीएम नेटवर्किंग, प्रशिक्षण, शोध, दस्तावेज आदि के लिए कार्यक्रम आधारित गतिविधियों पर कई राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर के वैज्ञानिक, तकनीकी और अन्य विशिष्ट संगठनों के सहयोग से ज्ञान एकीकरण कर रहा है।

संस्थान ''आपदा और विकास'' नामक द्विवार्षिक जर्नल प्रकाशित करता है

एनआईडीएम न्यूजलेटर ''टइडिंगज'' भी त्रैमासिक प्रकाशित हो रही हैं

अध्याय 2

प्रशिक्षण कार्यक्रम

अध्याय –2 : प्रशिक्षण कार्यक्रम

आपदा प्रबंधन के अधिकारियों की क्षमता निर्माण पर जोर संस्थान के प्रमुख प्रयासों में से एक रहा है। इस प्रयास के रूप में, एनआईडीएम प्रशिक्षण कार्यक्रम, आपदा जोखिम में कमी के संबंध में विभिन्न क्षमता निर्माण मुद्दों पर संबोधिन नियमित रूप से आयोजित किये जाते है।

वितरण की प्रणाली के आधार पर कार्यक्रमों को वर्गीकृत किया जाता है :

(i) फेस टू फेस ट्रेनिंग
(ii) ऑनलाइन प्रशिक्षण
(iii) स्वयं सीखना
(iv) उपग्रह आधारित कार्यक्रम

वित्तीय वर्ष 2015–16 के दौरान 67 प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए गए, जिनमें से 55 फेस टू फेस ट्रेनिंग कार्यक्रम थे, और 12 ऑनलाइन प्रशिक्षण कार्यक्रम थे। विभिन्न प्रशिक्षण कार्यक्रमों के माध्यम से कुल 1866 प्रतिभागियों को प्रशिक्षित किया गया।

2.1 उद्देश्य

नीतियों में डीआरआर की मुख्य धारा के लिए कौशल प्रदान करना, योजना कार्यक्रम, एनआईडीएम का एक प्राथमिक उद्देश्य है। एनआईडीएम आपदा प्रबंधन कार्यकर्ताओं और अन्य पेशेवरों जो आपदा और विकास गतिविधियों में लगे हुए हैं में ध्यान केंद्रित और उचित प्रशिक्षण सुनिश्चित करता है, एनआईडीएम के प्रशिक्षण कार्यक्रम निम्नलिखित उद्देश्यों से तैयार किए गए हैं :

- प्रभावी कार्यक्रम नियोजन और कार्यान्वयन के लिए जागरूकता पैदा करना, कौशल में सुधार करना और विकास कर्मियों के ज्ञान को विस्तृत करना
- केन्द्र और राज्यों के विकास विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों की संवेदनशीलता पर आपदा प्रबंधन की उभरती जरूरतों के लिए कार्यशालाओं, सेमिनारों और परामर्शों के माध्यम से सामाजिक–आर्थिक और राजनीतिक परिस्थितियों पर नजर
- दौरे द्वारा जानकारी, सफल मामलों के दस्तावेज और विकास के हस्तक्षेप के माध्यम से विकास कर्मियों के बीच व्यवहारिक बदलाव करना।

2.2 प्रतिभागियों की रूपरेखा

चूंकि एनआईडीएम प्रशिक्षण कार्यक्रमों में आपदा प्रबंधन में लगे विभिन्न क्लाइंट समूहों को शामिल किया गया है, प्रशिणार्थियों की प्रोफाइल निम्नलिखित श्रेणियों के प्रतिभागियों में विभाजित की गई है :

- सरकारी अधिकारी (केन्द्र, राज्य और जिला स्तर के अधिकारी)
- नागरिक समाजिक संगठन (आपदा प्रबंधन पेशेवर)
- सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रम (पीएसयू)
- शिक्षाविदों (शोधकर्ता, वैज्ञानिक, स्कूल शिक्षक और विश्वविद्यालय के संकाय)
- अंतरराष्ट्रीय प्रतिभागी (सरकारी विभाग, संयुक्त राष्ट्र एजेंसियां, गैर सरकारी संगठन)

2.3 प्रशिक्षण के तरीके

प्रशिक्षण की विविध प्रकृति को ध्यान में रखते हुए और कार्यक्रमों में भाग लेने वाले प्रतिभागियों को ध्यान में रखते हुयें, विभिन्न प्रशिक्षण विधियों का इस्तेमाल किया जा रहा है। निम्न प्रशिक्षण के तरीकों में शामिल हैं

- व्याख्यान–एवं–चर्चा
- मामले संबधित अध्ययन
- कार्य का अभ्यास
- समूह चर्चाएं
- क्षेत्र जोखिम और अध्ययन यात्राएं
- पैनल चर्चाएं
- भेष लेना और भूमिका अदा करना।
- मेज पर अभ्यास

2.4 आयोजित प्रशिक्षण कार्यक्रम

एनआईडीएम प्रशिक्षण कार्यक्रमों को वितरण, लक्ष्य समूह और विशय पर आधारित कर वर्गीकृत किया जाता है।

2.4.1 आमने समाने प्रशिषण कार्यक्रम

एनआईडीएम में या राज्य प्रशासनिक प्रशिक्षण संस्थानों (एटीआई), राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (एसडीएमए) और अन्य प्रशिक्षण संस्थानों में प्रशिक्षण में आपदा से निपटने के लिए सामरिक प्रशिक्षण की विस्तृत श्रृंखला प्रदान करता है। आपदा प्रबंधन के लगभग सभी पहलुओं को विभिन्न प्रशिक्षण कार्यक्रमों के माध्यम से शामिल किया गया है।

लक्ष्य समूह के आधार पर प्रशिक्षण कार्यक्रमों में आमने सामने प्रशिक्षण कार्यक्रमोंके अन्तर्गत दो भागों में बांटा जाता है। जैसे कि व्यावसायिक विकास कार्यक्रम (पीडीपी) और प्रशिक्षक विकास कार्यक्रम (टीडीपी)।

प्रशिक्षण कार्यक्रमों का विवरण अनुबंध–1 में दिया गया है

प्रशिक्षित 1488 प्रशिक्षकों में से, 792 प्रशिक्षकों (टीओटी) ने प्रशिक्षक विकासीय कार्यक्रम में भाग लिया था और 696 ने आपदा प्रबंधन से जुड़े विभिन्न क्षेत्रों और विभागों से अन्य प्रशिक्षण कार्यक्रमों में भाग लिया था। (तालिका 2.1) इस प्रकार, कुल आमने सामने प्रशिक्षण में 53.23 % प्रशिक्षण प्रशिक्षकों (टीओटी) का प्रशिक्षण और अन्य हितधारकों के लिए 46.77 % प्रशिक्षण प्रदान किए गए थे (चित्र 2.1)।

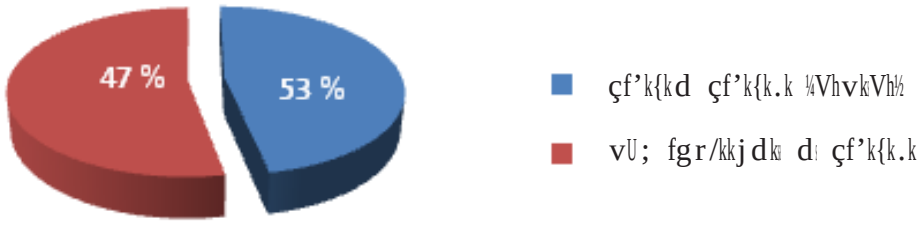
2.4.2 क्षेत्रवार प्रतिभागी

2015–16 के वर्ष के दौरान, एनआईडीएम ने पूरे भारत के प्रतिभागियों को प्रशिक्षित किया, राष्ट्रीय प्रतिभागियों के अलावा, 22 अंतर्राष्ट्रीय प्रतिभागियों को भी एनआईडीएम में प्रशिक्षित किया गया था।

प्रतिभागियों का राज्यवार वितरण अनुबंध –II में दिया गया है।

तालिका 2.1 : वर्ष 2015–16 के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम का विवरण

प्रशिक्षण विवरण		प्रशिक्षक प्रशिक्षण (टीओटी)		अन्य हितधारकों के प्रशिक्षण	
प्रशिक्षणों की कुल संख्या	प्रतिभागियों की कुल संख्या	प्रशिक्षण कार्यक्रमों की कुल संख्या	प्रतिभागियों की कुल संख्या	प्रशिक्षण कार्यक्रमों की कुल संख्या	प्रतिभागियों की कुल संख्या
55	1488	30	792	25	696



चित्र 2.1: 2015–16 में किए गए फेस टू फेस ट्रेनिंग का विवरण

2.5 ऑनलाइन प्रशिक्षण कार्यक्रम

एनआईडीएम विश्व बैंक (जीएफडीआरआर) वाशिंगटन के साथ साझेदारी में आपदा जोखिम प्रबंधन पर ई–लर्निंग कार्यक्रमों की एक श्रृंखला प्रदान करता है। पाठ्यक्रम पेशेवर मार्गदर्शन के तहत आपदा जोखिमों के प्रबंधन और न्युनीकरण के बारे में जानने के लिए दूर के प्रतिभागियों को उत्कृष्ट अवसर प्रदान करते हैं। प्रशिक्षण सामग्री तक ऑनलाइन पहुंचाया जा सकता है और डाउनलोर्ड करके, कोर्स पूरा होने के बाद किसी भी समय उपयोग किया जा सकता है। सभी मॉड्यूल तक पंजीकृत भागीदार द्वारा ऑनलाइन पाठ्यक्रम मंच के माध्यम से पहुंचा जा सकता है। कार्यक्रम में प्रस्तुतियां और ऑडियो, चर्चा मंच, प्रश्न, स्पष्टीकरण, कार्य और अंत की पाठ्यक्रम परियोजना शामिल है, जो कि पाठ्यक्रम की अनुभवी सुविधाकर्ताओं द्वारा मूल्यांकित किया जाता है। सफल उम्मीदवारों को एनआईडीएम और विश्व बैंक (जीएफडीआरआर) द्वारा संयुक्त रूप से जारी प्रमाण पत्र प्रदान किए गए हैं। वर्ष 2015–16 में कुल 12 ऐसे प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए गए और 377 प्रतिभागियों को ऑनलाइन प्रशिक्षण कार्यक्रम (तालिका 2.2) के माध्यम से प्रशिक्षित किया गया।

तालिका 2.2 : वर्ष 2015–16 के लिए ऑनलाइन पाठ्यक्रम की स्थिति

स.	पाठ्यक्रम का नाम	पाठ्यक्रम अवधि	प्रतिभागियों की संख्या
1.	व्यापक आपदा जोखिम प्रबंधन ढांचा	16 अप्रैल 2015 – 27 मई 2015	47
2.	जोखिम संवेदनशील भूमि उपयोग योजना	01 मई 2015 – 28 मई 2015	31
3.	क्षति एवं पुनर्निर्माण की आवश्यकता आकलन	01 जून 2015 – 28 जून 2015	33
4.	व्यापक आपदा जोखिम प्रबंधन ढांचा	01 जुलाई 2015– 11 अगस्त 2015	29
5.	व्यापक आपदा जोखिम प्रबंधन ढांर्चा	01 दिसंबर 2015 – 11 जनवरी 2016	26
6.	जोखिम पहचान, आकलन और विश्लेषण	01 दिसंबर 2015 – 28 दिसंबर 2015	49

7.	भूकंप जोखिम न्यूनीकरण	04 जनवरी 2016 – 31 जनवरी 2016	19
8.	जलवायु परिवर्तन और आपदा जोखिम	15 जनवरी 2016 – 11 फरवरी 2016	35
9.	सुरक्षित शहर	01 फरवरी 2016 – 28 फरवरी 2016	24
10.	आपदा के आर्थिक प्रभावों के प्रबंधन के लिए वित्तीय रणनीति	16 फरवरी 2016 – 14 मार्च 2016	21
11.	व्यापक आपदा जोखिम प्रबंधन ढांचा	16 फरवरी 2016 – 28 मार्च 2016	39
12.	समुदाय आधारित आपदा जोखिम प्रबंधन	04 मार्च 2016 – 31 मार्च 2016	24

2.6 स्व–अध्ययन कार्यक्रम

एनआईडीएम सामान्य जनता के साथ–साथ सरकारी अधिकारियों और अन्य हितधारकों के लिए स्व–अध्ययन पाठ्यक्रम प्रदान करता है, जो कि आपदाओं का प्रबंधन करने की भूमिका और जिम्मेदारी रखते हैं। इस कार्यक्रम के तहत पाठ्यक्रमों को कम समय में उनकी सुविधा के अनुसारकिसी भी देश में कहीं से भी आसानी से पहुंचा जा सकता है।

एनआईडीएम स्वयं अध्ययन कार्यक्रम के तहत 9 पाठ्यक्रमों को पूरा कर चुका है। पाठ्यक्रम में शामिल हैं (i) आपदा प्रबंधन की मूल बातें (ii) समुदाय आधारित आपदा जोखिम प्रबंधन (सीबीडीएम) (iii) नागरिक रक्षा स्वयंसेवकों के लिए एक गाइड (iv) सार्वजनिक स्वास्थ्य कार्यकर्ता के लिए एक गाइड (v) स्कूल सुरक्षा (vi) बाढ़ परिचय, जोखिम न्यूनीकरण और प्रबंधन (vii) चक्रवात परिचय, जोखिम न्यूनीकरण और प्रबंधन (viii) भूस्खलन जोखिम न्यूनीकरण और प्रबंधन (ix) भूकंप जोखिम परिचय, न्यूनीकरण और प्रबंधन

इस वर्ष के दौरान ''औद्योगिक रासायनिक आपदा जोखिम न्यूनीकरण और प्रबंधन का परिचय'' दसवां मॉड्यूल विकसित और लॉन्च किया गया था। इसके साथ ही, स्व अध्ययन कार्यक्रम के तहत सभी प्रस्तावित पाठ्यक्रमों को पूरा कर लिया गया है और संस्थान द्वारा www.nidmssp.in वेबसाइट लॉन्च किया गया है।

2.7 ''इनडीसडाटा'' प्रशिक्षण

''इनडीसडाटा'' सोफटवेयर, आपदा न्यूनीकरण पर संयुक्त राष्ट्र अंतर्राष्ट्रीय रणनीति (यूएनआरएसडीआर) के परामर्श से गृह मंत्रालय, आपदा प्रबंधन प्रभाग द्वारा तैयार किया गया है। इस सॉफ्टवेयर का उद्देश्य जिला स्तर की आपदा हानि की जानकारी को संकलित करना है और राष्ट्रीय और राज्य स्तरों पर आपदा नुकसान डेटाबेस तैयार करना है।

बाद में, एनआईडीएम, (यूएनआरएसडीआर) और सेंट्रल स्टैटिस्टिकल ऑफिस (सीएसओ) के समर्थन से गृह मंत्रालय द्वारा 06–07 अगस्त, 2015 को एनआईडीएम में ''इनडीसडाटा'' सॉफ्टवेयर पर प्रशिक्षण कार्यशाला आयोजित किया गया, इसके बाद 10 और 11, अगस्त 2015 को असम में और 13 – 14 अगस्त 2015 को कोलकाता में दो और प्रशिक्षण कार्यक्रम आजोजित किये गये।

डेटा प्रारूप :– स्काइप पर एक वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग बैठक, परियोजना के तहत डेटा

प्रारूपों पर चर्चा और अंतिम रूप देने के लिए एनआईडीएम संकाय, स्टाफ और एमएचए अधिकारियों द्वारा युएनआईएसडीआर, जिनेवा के विशेषज्ञ के साथ आयोजित की गई थी।

अध्याय 3

परियोजनाएं

आध्यय 3 : परियोजनाएं

एनआईडीएम आपदा और विकास के विभिन्न आयामों पर अन्य मंत्रालयों, राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय संगठनों के साथ अनुसंधान, परामर्श और सहयोगी परियोजनाओं का आयोजन करता है। इन परियोजना परिणामों का उपयोग, खतरा परिदृश्य, योजनाओं और नीति दस्तावेजों को विकसित करने और क्षेत्र से प्राप्त प्रत्यक्ष अनुभवों के आधार पर प्रशिक्षण के लिए एक महत्वपूर्ण इनपुट के लिए किया जाता है। एनआईडीएम के प्रशिक्षण कार्यक्रमों में शोध परिणामों का प्रभावी ढंग से, केस स्टडी मॉड्यूल विकसित करने के लिए उपयोग किया जाता है

3.1 राष्ट्रीय चक्रवात जोखिम प्रबंधन परियोजना

देश भर में चक्रवात जोखिम को कम करने के लिए एनसीआरएमपी उपयुक्त संरचनात्मक और गैर–संरचनात्मक उपाय करने की कोशिश करता है। एनसीआरएमपी का उद्देश्य तटीय समुदायों के चक्रवातों और अन्य जल–मौसम संबंधी खतरों की जानकारी तथा निम्न उपायों के माध्यम से कमजोरियों को कम करना है :

- बेहतर प्रारंभिक चेतावनी प्रसार प्रणाली।
- आपदाओं से निपटने के लिए स्थानीय समुदायोंमें क्षमता बढ़ोती।
- आपातकालीन आश्रय, निकासी, चक्रवात, बाढ़ और उच्च जोखिम वाले क्षेत्रों में तूफान से सुरक्षा के लिए बेहतर पहुंच।
- समग्र विकास एजेंडा में जोखिम न्यूनीकरण के उपायों के लिए मुख्य धारा को सक्षम करने के लिए केंद्रीय, राज्य और स्थानीय स्तरों पर आपदा जोखिम प्रबंधन क्षमता को मजबूत करना।

उपरोक्त उद्देश्यों के आधार पर, परियोजना को चार घटकों में बांटा गया है : (क) प्रारंभिक चेतावनी प्रणालियों, (ख) चक्रवात जोखिम न्यूनीकरण बुनियादी ढांचे, (ग) आपदा जोखिम प्रबंधन पर क्षमता निर्माण के लिए तकनीकी सहायता और (घ) परियोजना प्रबंधन और निगरानी।

एनसीआरएमपी के घटक ''ग'' का विशिष्ट उद्देश्य केंद्रीय, राज्य और स्थानीय स्तरों पर डीआरएम क्षमता को मजबूत करना रहा है ताकि समग्र विकास एजेंडा में जोखिम कम करने के उपायों को मुख्य धारा में सक्षम बनाया जा सके। इस घटक के तहत एनआईडीएम द्वारा किए जाने वाली गतिविधियों में शामिल हैं – क) भारत में डीआरआर के लिए ''दीर्घकालिक प्रशिक्षण और क्षमता निर्माण रणनीति तैयार करना'' और ''अध्ययन'' पर भारत में पुर्व आपदा क्षति, हानि और आवश्यक आकलन पर अध्ययन।

3.2 अध्ययन1: भारत में आपदा जोखिम में कटौती के लिए दीर्घकालिक प्रशिक्षण और क्षमता निर्माण रणनीति तैयार करना

एनआईडीएम ने एनसीआरएमपी के तहत अध्ययन किया और अध्ययन के निषकर्श के हिस्से के रूप में विभिन्न दस्तावेजों को विकसित किया। क्षमता निर्माण के लिए प्राथमिकता प्राप्त प्रशिक्षण विषय निम्नानुसार हैं :

i. विकास योजना में डीआरआर मुख्य धारा में
ii. विकास नीतियों और कार्यक्रमों में डीआरआर मुख्य धारा में

iii. सिटी डेवलपमेंट प्लान (सीडीपी) और उनके कार्यान्वयन रणनीतियों में डीआरआर मुख्य धारा में
iv. भूमि पर विकास के लिए डीआरआर को मुख्य धारा में लाने के लिए पीआरआई को सुदृढ़ बनाना
v. आपातकालीन स्वास्थ्य सेवाओं के लिए स्वास्थ्य कर्मियों की तैयारी
vi. ज्ञान, नवीनता और शिक्षा के माध्यम से सुरक्षा और लचीलापन की संस्कृति बनाना
vii. प्रारंभिक चेतावनी और अंतिम मील सम्पर्क सहित आपातकालीन संचार को सुदृढ़ करना
viii. समुदाय के नेतृत्व में खतरे जोखिम और क्षमता (सीएलएचआरवीसी) मूल्यांकन
ix. भागीदारी प्रशिक्षण और क्षमता की जरूरत मूल्यांकन (पीटीसीएनए)
x. सहभागी मूल्यांकन और क्रिया शिक्षा (पीईएएल)
xi. आपदा प्रबंधन योजनाओं में लिंग दृष्टिकोण को एकीकृत करना
xii. आपदा प्रबंधन पर जन जागरूकता पैदा करने में मीडिया का उपयोग

मॉड्यूल, आधार मॉड्यूल और प्रशिक्षकों का प्रशिक्षण मॉड्यूल उपर्युक्त में से निम्नलिखित विषयों के लिए तैयार किए गए थे :

i. ग्रामीण विकास
ii. स्वास्थ्य
iii. शिक्षा
iv. शहरी स्थानीय निकाय
v. पंचायती राज संस्थान
vi. मीडिया – वरिष्ठ पत्रकारों के लिए
vii. मीडिया – प्रवेश स्तर के पत्रकारों के लिए

उपरोक्त के अतिरिक्त, एनआईडीएम ने भी लोगों के बीच जागरुकता पैदा करने के लिए मीडिया रणनीति विकसित की, भारत में क्षमता निर्माण की स्थिति पर एक श्वेत पत्र विकसित किया, प्रत्यायन नीति पर एक दृष्टिकोण पत्र, आपदा प्रबंधन पर प्रशिक्षण नीति, उत्कृष्टता केंद्र स्थापित करने के लिए दिशानिर्देश और संस्थागत सुदृढ़ीकरण को विकसित किया गया।

एनआईडीएम ने एनडीएमए को विभिन्न परियोजना राज्यों में क्षमता निर्माण गतिविधियों को लागू करने के लिए परिचालन योजना भी सौंपी है।

एनआईडीएम पांच क्षेत्रों में मास्टर ट्रेनर डेवलपमेंट प्रोग्राम को ले रहा है जिनमें शिक्षा, पंचायती राज संस्थान, स्वास्थ्य, ग्रामीण विकास और शहरी विकास शामिल है। यह एक अनुवर्ती के रूप में क्षमता निर्माण अध्ययन के परिणामों के लिए है।

3.3 अध्ययन–II : आपदा पूर्व आवश्यकताएं, भारत के लिए आकलन अध्ययन

अध्ययन के उद्देश्य, भारत से संबंधित मानकीकृत पीडीएनए उपकरण विकसित करने के लिए, मौजूदा पीडीएनए उपकरणों को मौजूदा प्रक्रिया में पहचान कर, प्रासंगिक हितधारकों के लिए क्षमता निर्माण करने के लिए सिफारिशें प्रदान करते हैं और मूल्यांकन का उपयोग करने के लिए विशेषज्ञों का एक पैनल बनाते हैं जो नए पीडीएनए उपकरण जो कि पाठ्यक्रम के दौरान विकसित होगें का अध्ययन करेगें।

इस अध्ययन का उद्देश्य भारत के लिए वैज्ञानिक और उद्देश्य दृष्टिकोण के आधार पर मानकीकृत पीडीएनए उपकरण को विकासित करना है। यह निम्नलिखित दस प्रतिनिधि राज्यों – तमिलनाडु, आंध्र प्रदेश, ओडिशा, बिहार, पश्चिम बंगाल, असम, उत्तराखंड, जम्मू और कश्मीर, गुजरात और महाराष्ट्र के लिए आयोजित किया जाएगा। यह अध्ययन उपकरण विकसित करने में मदद करेगा, जो वर्तमान प्रणाली में अंतराल को भरने में सहयोग देगा। जिसके फलस्वरूप एक मजबुत आपदा पुर्व क्षति और मूल्यांकन तंत्र तैयार किया जा सकेगा।

समग्र उद्देश्यों को चार मुख्य गतिविधियों के माध्यम से प्राप्त किया जाएगा :

- भारत के लिए आपदा पुर्व जोखिम आकलन (पीडीएनए) उपकरण का विकास
- उपकरण और प्रशिक्षण का प्रसार
- पीडीएनए उपकरण के पायलट परीक्षण
- निजी क्षेत्र के घाटे के लिए लेखांकन पर श्वेत पत्र

यह परियोजना राज्य सरकारों को अधिक प्रभावी और अधिक कुशल तरीके से आपदा प्रभावित क्षेत्रों में हुई क्षति तथा उसके बाद मानक तरीकों से बहाली की योजना बनाने में सहयोग देगें। एनआईडीएम ने सलाहकारों द्वारा बनाया गया एक मसौदा दस्तावेज प्राप्त किया था जिसे तकनीकी संचालन समिति के समक्ष बहस और अनुमोदन के लिए रखा गया था, तकनीकी संचालन समिति ने अपने सुझाव दिए जो कि परामर्शदाताओं को इसमें समिलित करने के लिए भेजा दिया गया। अक्तूबर, 2015 को सलाहकारों द्वारा ड्राफ्ट रिपोर्ट एनआईडीएम में प्रस्तुत कर दी गई थी, जिसे तकनीकी संचालन समिति को दिसम्बर, 2015 के दौरान सौप दिया गया। तकनीकी संचालन समिति की रिपोर्ट टिप्पणियों के आधार पर, सलाहकारों ने दस्तावेजों में संशोधन किया है। दस्तावेजों में संशोधन के अलावा, एनआईडीएम ने अपने परिसर में पीडीएनए पर कार्यक्रम के अतंर्गत प्रशिक्षकों को प्रशिक्षण पर आधारित 2 प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किये। इसके अलावा यशवंतराव चव्हाण अकादमी ओफ डिवलपमेंट एडमिनिस्टेशन महाराष्ट्र, डा. मारीचना रेडी हुमेन रिसोर्स डिवलपमेंट इंस्टीटयुट् तेलंगाना और बिहार स्टेट डिवलपमेंट मनेजिंग अर्थोटी बिहार में 3 क्षेत्रीय प्रशिक्षण कार्यक्रम 2015 के दौरान आयोजित किये।

अध्याय 4

ज्ञान प्रबंधन और जागरूकता क्रियाएँ

अध्याय 4 :– ज्ञान प्रबंधन और जागरूकता क्रियाएँ

4.1 भारत आपदा संसाधन नेटवर्क (आईडीआरएन)

भारत सरकार के गृह मंत्रालय ने वर्ष 2003 में आईडीआरएनको जीओआई– यूएनडीपी आपदा जोखिम प्रबंधन (डीआरएम) कार्यक्रम के अंतर्गत शुरू किया था। (चित्र 4.1)



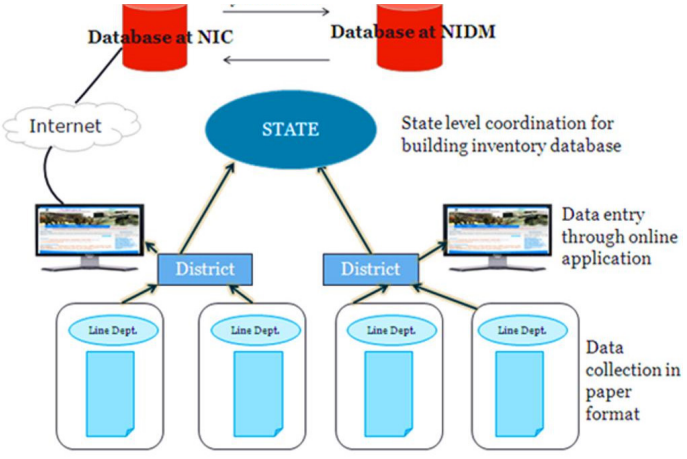
चित्र 4.1 आईडीआरएन पोर्टल का होम पेज

आईडीआरएन के राष्ट्रीय महत्व को ध्यान में रखते हुए, गृह मंत्रालय ने एनआईडीएम को 2008 से इसकी निगरानी और रखरखाव की जिम्मेदारी सौंपी थी।

आईडीआरएन एक बहुत ही उपयोगी पोर्टल है क्योंकि यह उपकरण, मानव संसाधन और महत्वपूर्ण आपूर्ति के बारे में आवश्यक जानकारी प्रदान करता है, जो सम्बंधित विभागों और एजेंसियों के साथ जिला स्तर पर उपलब्ध हैं। किसी भी आपातकालीन स्थितियों में राज्य और जिला प्राधिकरण समय–समय पर सभी उपलब्ध संसाधनों की अद्यतन जानकारी प्राप्त करने के लिए आईडीआरएन का उपयोग कर सकते हैं, जो किसी भी आपातकालीन स्थिति के दौरान जीवन की हानि और संपत्ति के नुकसान और अन्य बुनियादी ढांचे को होने वाली क्षति को कम करने में बहुत सहायक होगा।

4.1.1 आईडीआरएन कैसे काम करता है

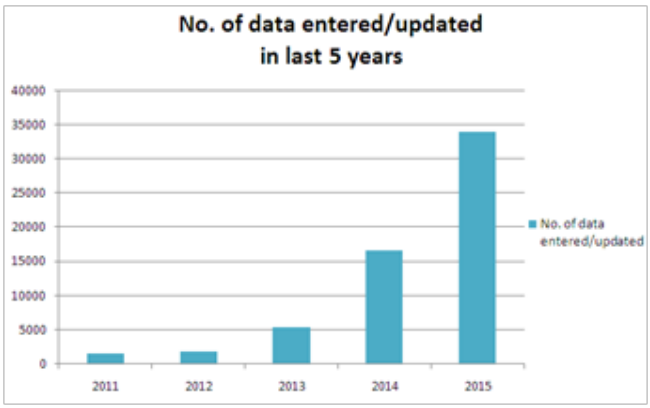
वर्तमान में आईडीआरएन पोर्टल की निगरानी और रखरखाव एनआईडीएम केंद्र द्वारा किया जाता है। एनआईडीएम की भूमिका उपयोगकर्ता प्रशासन तक ही सीमित है। आईडीआरएन पोर्टल में डेटा अपडेट करने के लिए जिलाधिकारी / जिला कलेक्टर के साथ राहत/राजस्व/आपदा प्रबंधन और एसडीएमए के राज्य विभाग के अधिकारी अधिकृत है। जिला कलेक्टर/ मजिस्ट्रेट, जिला स्तर पर डेटा संग्रह और अपडेट करने के लिए अधिकृत अधिकारी हैं। डेटा संग्रह स्वरूप जिला कलेक्टर कार्यालय से समंबधित विभागों/एजेंसियों को वितरित किए जाते हैं। एनआईसी के जिला सूचना अधिकारियों की तकनीकी सेवाओं का लाभ उठाने से जिला स्तर पर डेटा प्रविष्टि किया जाता है। (चित्र 4.2)



चित्र 4.2: आईडीआरएन के कामकाज को दर्शाते हुए योजनाबद्ध आरेख

4.1.2 2015–16 के दौरान आईडीआरएन की प्रगति

आईडीआरएन पोर्टल ने तकनीकी विकास के मामले में वर्ष 2015–16 में जागरूकता बढ़ाने के साथ–साथ डेटा अपडेट करने की स्थिति (चित्र 4.3) में एक नई गति प्राप्त की। अप्रैल 2013 से एनआईडीएम ने भारत आपदा संसाधन नेटवर्क पर प्रशिक्षण कार्यक्रम शुरू किए गए। वित्तीय वर्ष 2015–16 के दौरान पांच प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए गए थे। पाठ्यक्रम में कुल 150 प्रतिभागियों को राज्य के विभिन्न जिलों से प्रशिक्षित किया गया था।



चित्र 4.3: बार चार्ट जो डेटा दर्ज/अद्यतन की स्थिति का प्रतिनिधित्व करता है (स्रोतः आईडीआरएन पोर्टल)

4.1.3 प्रमुख उपलब्धियां

i. आईडीआरएन पोर्टल की तिथि–वार क्वेरी फीचर के साथ डेटा तक पहुंचने के लिए नया पेज बनाया गया है, जिससे कि जिस तारीख पर जानकारी दर्ज की गई हो या अपडेट की गई हो उसे भी देखा जा सकता है। डेटा तक पहुंचने के लिए दो अलग–अलग विकल्प, संसाधन के आधार पर एक क्वेरी पर और दूसरा आपदा के माध्यम से क्वेरी पर भी बनाया गया है। इसके इलावा आगे आईडीआरएन वेबसाइट के लिए प्रशिक्षण के बारे में एक नया पृष्ठ भी विकसित किया गया।

ii. आईडीआरएनडेटा संग्रह के लिए एक नया प्रारूप बनाया गया है। गृह मंत्रालय द्वारादिए गए सुझाव अनुसार तथा एनडीआरएफ से परामर्ष के बाद आपातकाल के समय पहले 72 घंटों के दौरान जरूरी महत्वपूर्ण संसाधनों की एक सूची विकसित हुई है।

iii. सभी राज्यों और संघ शासित प्रदेशों की सहायता के साथ उपयोगकर्ता नाम, पासवर्ड, जिला पृष्ठों आदि के निर्माण सहित उपयोगकर्ता प्रशासन के मुद्दों को सबसे अच्छा तथा संभवित हद तक हल किया गया है।

iv. राज्यों और जिलों से डेटा संग्रह और नियमित रूप से अपडेट करने के लिए राज्य अधिकारियों और जिला अधिकारियों को पत्र भेजे गए। सभी राज्य और केंद्र शासित प्रदेश आईडीआरएन में डेटा दर्ज कर रहे हैं।

v. दिल्ली आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (डीडीएमए), बिहार राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (बीएसडीएमए) और गुजरात आपदा प्रबंधन संस्थान (जीआईडीएम) नें "भारत आपदा संसाधन नेटवर्क" (आईडीआरएन) पर राज्य स्तर के प्रशिक्षण कार्यक्रमों का आयोजन किया गया है। 2015–16 के दौरान पाठ्यक्रम में राज्य के विभिन्न जिलों से प्रतिभागियों को प्रशिक्षित किया गया था, अधिकारियों को आईडीआरएन पोर्टल, इसके उपयोग, कार्यप्रवाह और प्रशासन के लिए परिचित करया गया। इसके अलावा, प्रतिभागियों

को आईडीआरएन पोर्टल, उपयोगकर्ता लॉगिन, डाटा अपलोडिंग, विभिन्न प्रारूपों, डेटा एक्सेस आदि से परिचित करवाया गया।

4.2 एनआईडीएम वेबसाइट का नया रूप



fp= 4-4% ,uvkbMh,e oSclkbV dk u;k :i

एनआईडीएम वेबसाइट भारत में आपदा प्रबंधन के बारे में जानकारी देता है, यह आपदा प्रबंधन के क्षेत्र में सरकार द्वारा विकसित विभिन्न प्रकाशन, जर्नल, न्यूजलेटर्स, योजनाओं और नीतियों, कार्य, वृत्तचित्रों आदि के बारे में भी जानकारी देता है (चित्र 4.4)

इसके अतिरिक्त, नए वेबसाईट को आपदाओं, आपदाओं के विषय में समान्य जानकारीं, आपदाओं के कारणों, विषयगत मुद्दों आदि के बारे में समृद्ध किया गया है।

4.3 एनआईडीएम ऑनलाइन पाठ्यक्रम

संस्थान, विश्व बैंक (जीएफडीआरआर) वाशिंगटन के सहयोग से आपदा जोखिम प्रबंधन पर ऑनलाइन पाठ्यक्रम की पेशकश कर रहा है। इस कार्यक्रम का उद्देश्य जागरूकता और तैयारी के स्तर को



fp= 4-1 ,uvkbMh,e vkuykbu ikVy dk gke i;t

बढ़ाने और साथ ही आपदा जोखिम प्रबंधन के विभिन्न क्षेत्रों में विश्लेषणात्मक कौशल और प्रमुख हितधारकों की पेशेवर दक्षताओं को बढ़ाने के लिए है। एनआईडीएम ऑनलाइन कोर्स भारत में अपनी तरह का पहला कोर्स है जो इस विषय में ज्ञान प्राप्त करने में दूर बैठे उपयोगकर्ताओं को मदद करता है। यह प्रतिभागियों को एक साझा मंच पर अपने विचारों, योजनाओं और जानकारी को वैश्विक रूप से साझा करने की सुविधा भी देता है (चित्र 4.5)।

पाठ्यक्रमों की सूची

1. व्यापक आपदा जोखिम प्रबंधन ढांचा (सीडीआरएमएफ)
2. समुदाय आधारित आपदा जोखिम प्रबंधन (सीबीडीआरएम)
3. जलवायु परिवर्तन और आपदा जोखिम (सीसीडीआर)
4. भूकंप जोखिम न्यूनीकारण (ईआरआर)
5. जोखिम पहचान, मूल्यांकन और विष्लेशण (आरए)
6. सुरक्षित शहर (एससी)
7. आपदाओं के आर्थिक प्रभावों के प्रबंधन के लिए वित्तीय रणनीतियां(एफएस)
8. जोखिम संवेदनशील भूमि उपयोग योजना (आरएसएलयूपी)

9. आपदा बहाली और पुनर्निर्माण में लिंग पहलू (जीएडीआरआर)
10. नुकसान और पुनर्निर्माण आवश्यकताओं का मूल्यांकन (डीआरएनए)

यूआरएलः http://www.onlinenidm.gov.in

4.4 एनआईडीएम प्रशिक्षार्थी डाटाबेस

हर साल एनआईडीएम सरकारी अधिकारियों और अन्य हितधारकों के लिए आपदा प्रबंधन के क्षेत्र में अमाने समाने प्रशिक्षण कार्यक्रमों का आयोजन करता है। प्रशिक्षणों और प्रशिक्षुओं पर पूर्ण डेटाबेस को ऑनलाइन बनाए रखा गया है। जिससे आपदा तैयारियों के लिए इन प्रशिक्षुओं का पता लगया जा सकें। सभी जानकारी एनआईडीएम वेबसाइट w.e.f 2009 पर उपलब्ध है। यह जानकारी पाठ्यक्रम के अनुसार और राज्यवार प्राप्त की जा सकती है।

यूआरएल : http: //nidm.gov.in/trainee.asp

4.5 भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन 4.5 (इसरो) के आपदा प्रबंधन सहायता कार्यक्रम के तहत वर्चुअल प्राइवेट नेटवर्किंग

इसरो के आपदा प्रबंधन सहायता (डीएमएस) कार्यक्रम देश में आपदाओं के कुशल प्रबंधन के लिए हवाई–अंतरिक्ष प्रणाली, इमेजिंग और संचार से बाढ़, चक्रवात, सूखा, जंगल की आग, भूस्खलन और भूकंप इसमें खतरे की स्थिति, क्षति मूल्यांकन आदि की सुविधा के लिए डिजिटल डेटा बेस का निर्माण करने के लिए समय पर सहायता और सेवाएं प्रदान करता है। डीएमएस कार्यक्रम समर्पित है। उपग्रह और हवाई डेटा का उपयोग करते हुए प्रमुख प्राकृतिक आपदाओं की निगरानीय उचित समर्थन के लिए तकनीक और उपकरणों का विकास, उपग्रह आधारित विश्वसनीय संचार नेटवर्क की स्थापना, आपातकालीन संचार उपकरणों की तैनाती और आपदाओं की चेतावनी की ओर अग्रसर होने के लिए अनुसंधान और विकास इसके मुख्य कार्य है।

आपदा प्रबंधन की गतिविधियों के लिए आपातकालीन संचार प्रदान करने के लिए, और एमएचए के आदेश पर, इसरो ने एक उपग्रह आधारित आभासी निजी नेटवर्क (वीपीएन) की स्थापना की है जो एनआरएससी में डीएमएस–डीएमसी के साथ गृह मंत्रालय में राष्ट्रीय नियंत्रण कक्ष को जोड़ता है। राष्ट्रीय एजेंसियां, दिल्ली में प्रमुख सरकारी कार्यालय और बहु–जोखिम वाले राज्यों के नियंत्रण कक्ष इसमें शामिल है। एनआईडीएम में वीपीएन का प्रशिक्षण नोड 2006 से स्थापित किया गया है और इसका उपयोग एनआईडीएम ने पिछले प्रशिक्षण कार्यक्रमों के दौरान नेशनल रिमोट सेंसिग सेंटर, (एनआरएससी) देहरादून , जीएसआई, इंडियन नेशनल सेंटर फोर ओसियन इंफोरमेशन सर्विस (आईएनसीओआईएस), हैदराबाद जैसे एजेंसियों के साथ बातचीत करने में किया है।

दस्तावेजीकरण और प्रकाशन

सूचना को संसाधन के रूप में माना जाता है, जो संगठनात्मक लक्ष्यों की उपलब्धियों को पाने में योगदान देता है जानकारी के उसके प्रभावी बंधन के माध्यम से अधिकतम किया जाता है एनआईडीएम का एक मुख्य उद्देश्य अनुसंधान और परामर्श गतिविधियों के द्वारा आपदा प्रबंधन और विकास के लिए सतत् आधार पर ठोस प्रयास करना है। एनआईडीएम पुस्तकालय द्वारा प्रदान की गई सेवाएं हैं :

अधिग्रहण कार्य

- संदर्भ और परामर्श कार्य
- वितरित कार्य
- नियत कालीन कार्य
- पुस्तकालय स्वचालन

4.6 सूचना स्रोत उपलब्ध

4.6.1 पुस्तकें

एनआईडीएम का पुस्तकालय सालाना आधार पर पुस्तकों के संग्रह का विस्तार कर रही है। संस्थान राष्ट्रीय, अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर सरकार, अनुसंधानों और प्रशिक्षण संगठनों द्वारा आपदा और विकास और संबद्ध पहलुओं पर प्रकाशित साहित्य इकट्ठा करने के लिए विशेष प्रयास करता है जिसमें व्यावसायिक रूप से प्रकाशित साहित्य भी होता है। इस अवधि के दौरान पुस्तकालय ने कुल 93 पुस्तकों और अन्य दस्तावेजों को भी प्राप्त कर लिया है। एनआईडीएम में उपलब्ध पुस्तकों की संख्या लगभग 2000 (तालिका 4.1) है।

तालिका 4.1 : पुस्तकालय सांख्यिकी अप्रैल 2015 से मार्च 2016 तक

क्र.सं.	सामग्री	योग
1.	31–3– 2017 को कुल स्टॉक (पुस्तकें, सीमित संसकरण और सीडी सहित)	2269
2.	वर्ष के दौरान पुस्तकों की कुल बढोतरी	93
3.	पत्रिका सदस्यता (अंतर्राष्ट्रीय और राष्ट्रीय)	05
4.	निःशुल्क न्यूजलेटर्स	06
	आदान प्रदान में प्राप्त पत्रिकाएं	02
5.	अखबारों की सदस्यता ली गई	13
6.	पत्रिकाओं की सदस्यता	11
7.	अंतरपुस्तकालयी ऋण	02
9	31 मार्च : 2016 तक डीईएलएनईटी पर अपलोड की गई पुस्तकों की संख्या	2000

4.6.2 पत्रिकाएं

इस अवधि के दौरान, एनआईडीएम ने 16 जर्नल और पत्रिकाओं,भारतीय और विदेषी जो कि आपदा, पर्यावरण और विकास और संबद्ध पहलुओं से संबंधित हैं की सदस्यता ली है। एनआईडीएम भी एक पत्रिका को विनिमय और मानार्थ आधार पर प्राप्त करता है और विभिन्न प्रकारों के लगभग 13 समाचार पत्रों की सदस्यता भी एनआईडीएम ने ले ली है।

4.7 सूचना प्रसार

संस्थान के पास आपदा और विकास के बारे में जानकारी का प्रसार करने का आदेश है। इस आदेश को पूरा करने के लिए संस्थान नियमित रूप से एक त्रैमासिक न्यूजलेटर, अनुसंधान हाइलाइट्स और पाठ्यक्रम मॉड्यूल, सेमिनारों और कार्यशालाओं और आपदा के विकास के आँकड़ों की सिफारिशों को प्रस्तुत करता रहता है। इन प्रकाशनों ने नीति निर्माताओं को जमीनी वास्तविकताओं, प्रस्तावित प्रस्तावों और आपदा और विकास कार्यक्रमों के बेहतर नियोजन और प्रबंधन के लिए दिशा–निर्देश प्रदान करने में सहायता प्रदान की है।

2015–16 में एनआईडीएम द्वारा प्रकाशित प्रशिक्षण मॉड्यूल और पुस्तकें

एनआईडीएम द्वारा विकसित मॉड्यूल, किताबों और

अन्य प्रकाशनों का विवरण नीचे बताया गया है।

1. आकस्मिक प्रतिक्रिया प्रणाली पर प्रशिक्षण मॉड्यूल

आपदा स्थिति में (आईआरएस) एक व्यवस्थित सक्रिय दृष्टिकोण प्रदान करता है जो संबंधित विभागों और एजेंसियों को जिनमें सरकार के सभी स्तरों, निजी क्षेत्र और गैर–सरकारी संगठनों को दिशा–निर्देश प्रदान किये जाते है। ताकि दुर्घटना की स्थिति में दोषरहित तरीके से काम किया जा सके।

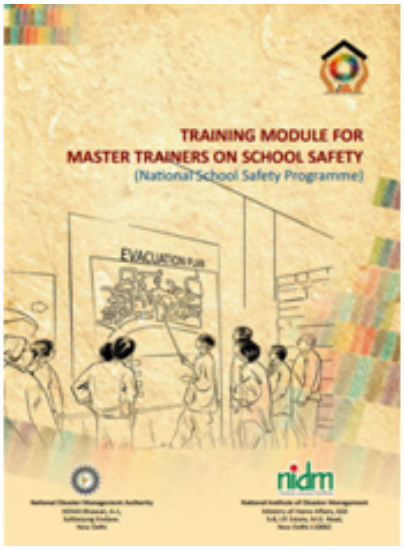
एनआईडीएम ने अगस्त और सितंबर 2015 के महीने में इंसिडेंट रिस्पांस सिस्टम पर चार मॉड्यूल प्रकाशित किए हैं। ये मॉड्यूल हैं :

i. इंसिडेंट रिस्पांस सिस्टम –इंसिडेंट कमांडर कोर्स
ii. इंसिडेंट रिस्पांस सिस्टम – ऑपरेशन सेक्शन चीफ
iii. इंसिडेंट रिस्पांस सिस्टम – लॉजिस्टिक्स सेक्शन चीफ
iv. इंसिडेंट रिस्पांस सिस्टम – एकीकृत योजना अनुभाग प्रमुख

वर्तमान प्रशिक्षण मॉड्यूल का मूल उद्देश्य आपदा प्रबंधन दल और प्रशासकों तथा आपदा प्रतिक्रिया प्रदाताओं के बीच आपदा रिस्पांस सिस्टम को बढ़ावा देना है। ये मॉड्यूल उन लोगों को प्रबंधन कौशल प्रदान करने के लिए डिजाइन किए गए हैं जो आपदा प्रबंधन और घटना की प्रतिक्रिया योजना के लिए काम कर रहे हैं। मॉड्यूल ट्रेनर के प्रशिक्षण सहित, आपदा को प्रभावी ढंग से कैसे प्रबंधित करें, इसके बारे में विस्तृत त्वरित योजना भी प्रदान करते हैं। इन मॉड्यूल को मुख्य प्रशिक्षकों और विशेषज्ञों द्वारा अनुकूलित किया गया है, जिन्हें घटना कमांड सिस्टम में प्रशिक्षित किया गया है तथा जिन्हें संचालन/प्रशासन का व्यापक अनुभव है।



2. स्कूल सुरक्षा पर शिक्षक प्रशिक्षकों के लिए प्रशिक्षण मॉड्यूल



स्कूल की सुरक्षा पर यह पुस्तिका शैक्षिक संस्थानों, आपातकालीन अधिकारियों, शिक्षकों, छात्रों और यहां तक कि समुदाय के लिए प्राकृतिक और

मानव निर्मित आपदाओं से प्रभावित बच्चों की विशेष और बहुआयामी जरूरतों को पूरा करने के लिए एक दिशानिर्देश के रूप में कार्य करेगी। यह छात्रों को सुरक्षा उपायों के बारे में जानने के लिए सशक्त बनाएगा, इस प्रकार एक आपदा प्रतिरोधी समाज का निर्माण करते समय भविष्य के लिए आपदा प्रबंधकों का निर्माण होगा।

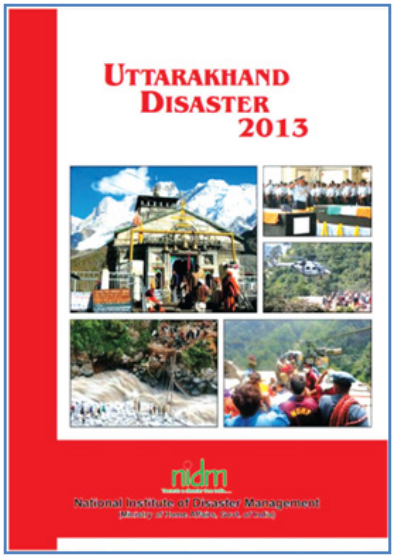
3. लिंग एवं आपदा प्रबंधन – प्रशिक्षकों का प्रशिक्षण (टीओटी) मॉड्यूल



एनआईडीएम ने ''लिंग और आपदा प्रबंधन'' पर एक प्रशिक्षण मॉड्यूल विकसित किया है जो पूरे देश में चलाया जा सकता है। मॉड्यूल का मुख्य उद्देश्य राज्यों के विभिन्न विभागों से वरिष्ठ और मध्य स्तर के सरकारी और गैर सरकारी कर्मचारियों को प्रशिक्षित करना है, जो आपदा प्रबंधन के क्षेत्र में प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से आपदा प्रबंधन के क्षेत्र में लिंग के प्रति संवेदनशील दृष्टिकोण को बढ़ावा देने के लिए काम कर रहे हैं।

4. उत्तराखंड आपदा 2013

एनआईडीएम संकाय ने 2013 के उत्तराखंड दुर्घटना के विभिन्न पहलुओं को एक किताब के रूप में प्रलेखित किया है। एनआईडीएम ने आपदा घटना के तुरंत बाद दस्तावेजीकरण की प्रक्रिया शुरू की। संकाय सदस्यों और शोधकर्ताओं ने क्षेत्रीय यात्राओं का आयोजन किया और सर्वेक्षण किए। एनआईडीएम ने अनुभव साझा करने और सीखने वाले सबक को सांझा करने के लिए दो राष्ट्रीय कार्यशालाओं का आयोजन किया इसमें विशेषज्ञों के साथ बैठकों और चर्चाओं की एक श्रृंखला भी हुई और इससे भी महत्वपूर्ण, उत्तराखंड सरकार के अधिकारियों के साथ बातचीत की। इस प्रकार विभिन्न हितधारकों के साथ परामर्श की एक व्यापक प्रक्रिया की गई।

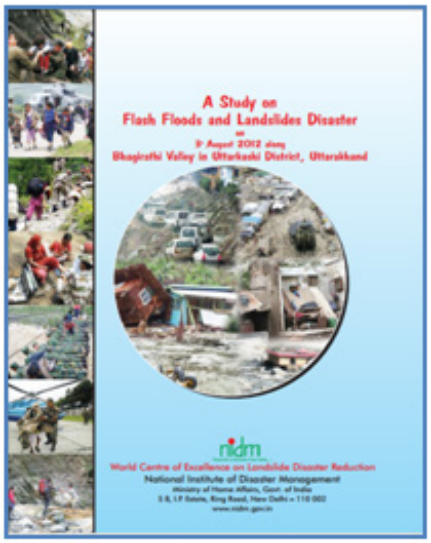


पुस्तक दुर्घटनाओं के लिए राज्य की कमजोरियों के विवरण के साथ शुरू होती है और त्रासदी के संभावित कारणों का विश्लेषण करने की कोशिश करती है। तब यह घटना को समय अनुसार व्यवस्थित करती है और उसके रहस्यों को खोलती है। यह आपदा के बाद किए गए बड़े पैमाने पर बचाव और राहत कार्यों का विस्तृत विवरण देती है, जिसमें भारत सरकार, राज्य सरकार और अन्य एजेंसियों द्वारा उठाए गए प्रयासों के महत्वपूर्ण पहलुओं पर प्रकाश डाला

गया है। इस दस्तावेज ने विभिन्न आपदाओं की एक रूपरेखा भी दी गई है, जिसमें उत्तराखंड की अपदाओं को उजागर किया गया है। पहाड़ी क्षेत्रों में विकास की योजना बनाते समय योजनाकारों के लिए ऐसी जानकारी उपयोगी होगी। इस दस्तावेज के आधार पर, विभिन्न एजेंसियों/हितधारकों द्वारा उनकी आवश्यकताओं के अनुसार कई और शोध किए जा सकते हैं।

5. उत्तरकाशी जिला, उत्तराखंड में भागीरथी घाटी में 3 अगस्त 2012 को आई बाढ़ और भूस्खलन संबंधी आपदा पर एक अध्ययन

यह दस्तावेज उत्तराखंड जिले में आपदापूर्व जोखिम घटाने में जिले की भेद्यता और क्षमता का आकलन करने के लिए आपदाओं, और प्रशासनिक, जनसांख्यिकीय, सामाजिक–आर्थिक और बुनियादी ढांचे के नजरिए की जानकारी प्रदान करता है। लेखक ने विभिन्न हितधारकों द्वारा की गई प्रतिक्रिया के साथ हाल की घटनाओं के कारणों और परिणामों पर भी चर्चा करने का प्रयास किया है। रिपोर्ट में प्राप्त आध्ययों को सारांशित किया गया है और ऐसे उपायों की सिफारिश की गई है जो आपदा जोखिम में कमी करने के लिए रणनीति तैयार करने में उपयोगी होगी।



नेपाल भूकम्प : जिन्दगी की तलाश

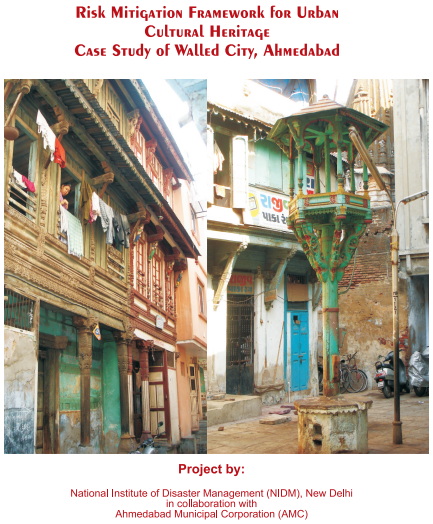
जागरूकता पैदा करना और आईईसी सामग्री तैयार करना एनआईडीएम के कार्यो का एक हिस्सा है। राष्ट्रीय आपदा प्रतिक्रिया बल (एनडीआरएफ), भारत द्वारा 25 अप्रैल, 2015 को नेपाल भूकंप के दौरान प्रतिक्रिया और बचाव अभियान में महत्वपूर्ण भूमिका अदा करने को ध्यान में रखते हुए, एनआईडीएम ने अपनी एक पुस्तक प्रकाशित करने की पहल की। ''नेपाल भुकंप जिंदगी की तलाश'' शीर्षक वाली किताब में नेपाल भूकंप और प्रभावित क्षेत्रों में बचाव और सहायता अभियान में एनडीआरएफ के सहासी कार्य की कमाल की कहानी है। इसके अलावा, यह निकट भविष्य में ऐसी आपदाओं से निपटने के तरीके के बारे में भी जानकारी प्रदान करती है।



7. शहरी सांस्कृतिक विरासत के लिए जोखिम न्यूनीकरण ढांचा और दिवार–शहर अहमदाबाद पर केस अध्ययन

यह दस्तावेज एक आंतरिक शहरी रूप के संदर्भ में विरासत संरचनाओं में आपदा जोखिम का अध्ययन करने का एक प्रयास है। छह सदियों से अधिक के लिए, दिवार षहर अहमदाबाद मूर्त और अमूर्त दोनों समृद्ध सांस्कृतिक विरासतों से भरा

है। इस अध्ययन के माध्यम से, एनआईडीएम ने दिवार शहर में विरासत संरचनाओं की कमजोरियों और क्षमताओं दोनों की पहचान करने की कोशिश की है। यह परियोजना, हालांकि चयनित क्षेत्र में सीमित है, यह एक बड़ी चुनौती है जिसमें इसकी विशाल क्षमता, सौंदर्य मूल्य और पारंपरिक ज्ञान को बनाये रखते हुये आपदा–प्रतिरोधी संरक्षण और दिवार शहर के पुनरोद्धार के लिए ठोस कार्रवाई की आवश्यकता को रेखांकित करने की आवश्यकता है।



8. न्यूजलेटर

एनआईडीएम न्यूजलेटर ''टाईढिगज'' एक त्रैमासिक प्रकाशन है यह विभिन्न प्रशिक्षण कार्यक्रमों, सेमिनारों और कार्यशालाओं की सिफारिशों को रेखांकित करता है, जो नियमित आधार पर एनआईडीएम द्वारा किये जाते है। अगले तीन महीनों के लिए निर्धारित प्रशिक्षण कार्यक्रमों पर अग्रिम प्रचार देने के अलावा, न्यूजलैटर में संकाय विकास, सफलता की कहानियां, दौरे और प्रतिनिधिमंडल आदि की खबरें शामिल होती हैं।



इस साधन के माध्यम से, एनआईडीएम नियमित रूप से राज्य एटीआई, शैक्षणिक संस्थानों, संबंधित सरकारी विभागों और गैर–सरकारी संगठनों के साथ संपर्क बनाए रखता है। 2004 में एनआईडीएम द्वारा न्यूजलेटर के पहले अंक के प्रकाषन के बाद से, आज तक 43 न्यूजलेटर प्रकाशित किये जा चूके है। अप्रैल 2015 से मार्च 2016 तक न्यूजलैटर के चार प्रकाशन वर्ष के दौरान प्रकाशित किये गये है।

9. मासिक अपडेटस

एनआईडीएम नवीन गतिविधियों के विशय में अपडेट करता है जिसमें प्रशिक्षण कार्यक्रमों, कार्यशालाओं, सेमिनारों, क्षेत्रीय यात्राओं और अन्य सभी गतिविधियों के विशय में नियमित रूप से मासिक अपडेट के माध्यम से अवगत करवाया जाता है। अगले महीने के लिए निर्धारित प्रशिक्षण कार्यक्रमों पर अग्रिम प्रचार देने के अलावा, मासिक अपडेट में संकाय विकास, सफलता की कहानियां, भ्रमण और प्रतिनिधिमंडल आदि की खबरें शामिल होती हैं। इस साधन के माध्यम से, एनआईडीएम राज्य एटीआई, शैक्षिक संस्थानों, संबंधित सरकारी विभागों तथा एनजीओके साथ नियमित संपर्क में रखता है। यह कार्य अक्टूबर

2013 में शुरू किया गया था। वर्ष 2015–2016 के दौरान, एनआईडीएम बारह मासिक अपडेट कर चुका है। यह सभी नियमित रूप से वेबसाइट पर अपडेट किए जाते हैं तथा http://nidm.gov.in/mupdate.asp से डाउनलोड किए जा सकते हैं।



4.8 सूचना शिक्षा और संचार (आईईसी) सामग्री

संस्थान के पास आपदा और विकास के बारे में जानकारी का प्रसार करने का आदेश है। इस आदेश को पूरा करने के लिए, संस्थान नियमित रूप से एक वार्षिक जर्नल, एक त्रैमासिक न्यूजलेटर, अनुसंधान हाइलाइट्स और पाठ्यक्रम मॉड्यूल, सेमिनारों और कार्यशालाओं की सिफारिशें, आपदा के विकास के आंकड़ों और विभिन्न सूचनाओं और शिक्षा सामग्री को प्रस्तुत करता है। प्रकाशनों के माध्यम से नीति निर्माताओं को जमीन की वास्तविकताओं, प्रस्तावित प्रस्तावों और आपदा और विकास कार्यक्रमों के बेहतर नियोजन और प्रबंधन के लिए दिशा–निर्देश प्रदान करने में सहायता होती है। विभिन्न आपदाओं और उनके प्रबंधन के बारे में जानकारी और जागरूकता पैदा करने के लिए, एनआईडीएम नियमित रूप से विभिन्न जागरूकता निर्माण गतिविधियों और कार्यक्रमों के साथ आईईसी सामग्री का निर्माण करता है। ये उपकरण एनआईडीएम वेबसाइट पर उपलब्ध हैं और http://nidm.gov.in/iec.asp द्वारा पहुंचा जा सकता है। आईआईसी सामग्री एनआईडीएम द्वारा विकसित आपदा प्रबंधन के क्षेत्र में काम कर रहे विभिन्न हितधारकों द्वारा स्वतंत्र रूप से उपयोग किजा सकती है और व्यापक प्रसार के लिए इसका विभिन्न भाषाओं में अनुवाद किया जा सकता है।

4.8.1 – 14 से 27 नवंबर 2015 को भारत अंतर्राष्ट्रीय व्यापार मेला (आईआईटीएफ)– 2015, में एनआईडीएम की भागीदारी

इंडिया इंटरनेशनल ट्रेड फेयर (आईआईटीएफ) एक भव्य व्यापारिक मेला है जो भारतीय व्यापार संवर्धन संगठन (आईटीपीओ) द्वारा हर साल आयोजित किया जाता है। मेला 14–27 नवंबर को हर साल प्रगति मैदान, नई दिल्ली में आयोजित किया जाता है। आईआईटीएफ एक भव्य कार्यक्रम है और हर साल दुनियाभर से इस मेले में बहुत से व्यावसायिक प्रतिनिधि भाग लेते हैं। कई सरकारी संगठन इस मंच का उपयोग जनता के बीच अपने कार्यक्रमों और नीतियों के बारे में जागरूकता फैलाने के लिए करते हैं। भारत के संघीय सरकार के लगभग सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेश इस कार्यक्रम में भाग लेते हैं। इस वर्ष का विषय ''मेक इन इंडिया'' था, इसमें भारत में उद्यमी क्षमताएं व्यक्त की गई, जिससे अर्थव्यवस्था के सभी क्षेत्रों पर काफी प्रभाव पड़ा। आईआईटीएफ का रोजाना करीब एक लाख लोगों द्वारा भ्रमण किया जाता है, यह समाज के बीच ज्ञान को प्रसारित करने

और समुदायों के बीच जागरूकता पैदा करने का एक मंच है। एनआईडीएम पिछले चार वर्षों से नियमित रूप से भारत अंतर्राष्ट्रीय व्यापार मेला (आईआईटीएफ) में भाग ले रहा है। वर्ष 2015 के दौरान एनआईडीएम का स्टाल, एन डीएमए और एनडीआरएफ के साथ हॉल नं। 12 में रखा गया था। आईआईटीएफ में एनआईडीएम स्टाल में प्रदर्शन के लिए पुस्तकेतथा अन्य प्रकाशित प्रकाषन रखे गये थे इसके साथ वितरण के लिए कई प्रकाशन और कई जागरूकता सामग्री भी रखी गई थी। इसके अलावा, भूकंप प्रभाव को प्रदर्शित करने के लिए स्टॉल को भी शेक–टेबल पर बनाया गया था। 14 नवंबर, 2015 को अतिरिक्त प्रधान सचिव पीएमओ, डा पी.के. मिश्रा ने स्टाल का दौरा तथा उद्घाटन किया।



fp= 4-6 % Jh ih dq feJk] Hkkjr dq ekuuh; çkku e=h dq vfrfjä çkku lfpo ,uvkbMh,e dqyMj 2016 tkjh djrs g;sA

व्यापार मेले में शामिल मुख्य विशेषताएं हैं :

- एनआईडीएम द्वारा कुल 30 प्रकार के प्रकाशन प्रदर्शित किए गए ।
- 20,000 से अधिक जागरूकता सामग्री (पत्रिकांए, पुस्तिकाएं, कैलेंडर, नारो वाले बैग, कार्यपुस्तिका आदि के रूप में) वितरित किए गए।
- स्कूल बच्चों के बीच जागरूकता फैलाने के लिए स्ट्रीट प्ले, प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता और पेंटिंग प्रतियोगिता आयोजित की गई थी।

14–11–2015 को आईआईटीएफ में आयोजित एक कार्यक्रम में अतिरिक्त प्रधान सचिव पीएमओ डा. पी के मिश्रा ने विभिन्न आपदाओं में ''क्या करना है'' और ''क्या नही करना है'' पर आधारित एनआईडीएम कैलेंडर जारी किया। इस कार्यक्रम के दौरान, एनआईडीएम कैलेंडर में विभिन्न प्राकृतिक और मानव निर्मित आपदाओं के पहले, उसके दौरान और बाद में आपदा सुरक्षा से संबंधित विभिन्न डूज् एंड डॉनट्स और अन्य तकनीकों पर आधारित 14 पृष्ठ हैं। कैलेंडर को विभिन्न हितधारकों द्वारा सराहा गया और स्टॉल पर आगंतुकों द्वारा काफी मांग की गई थी। आईआईटीएफ में एनआईडीएम ने अपने उत्पादों और गतिविधियों को स्टॉल की दीवार पर कोलार्ज के रूप में प्रदर्शित किया। जिसमें एनआईडीएम की विभिन्न गतिविधियां प्रदार्शित कि गई थी जैसे एनआईडीएम द्वारा प्रकाशित प्रशिक्षण, सम्मेलन और मॉड्यूल। इसके अलावा एनआईडीएम ने इसके वितरण के लिए अपनी विभिन्न आईईसी सामग्री (30 प्रकार) और प्रदर्शन के लिए कई प्रकाशन भी रखे । 20,000 से अधिक जागरूकता सामग्री (पत्रिकांए, पुस्तिका, कैलेंडर, भूकंप लुडो, नारो वाले बैग, कार्यपुस्तिका आदि के रूप में)। जागरूकता सामग्री के अलावा, एनआईडीएम द्वारा प्रकाशित विभिन्न मॉड्यूल, किताबें आदि भी स्टॉल पर प्रदर्शित की गईं । स्टॉल पर हजारों आगंतुकों द्वारा भ्रमण किया गया जिनमें छात्र भी शामिल थे आगंतुकों की प्रतिक्रिया स्टॉल और प्रदर्शित सामग्री के बारे में बहुत अच्छी थी।

प्रगति मैदान, नई दिल्ली, हॉल नं 12 की स्टाल,



चित्र 4.7 : श्री पी के मिश्रा, अतिरिक्त प्रधान सचिव, पीएमओ ने आईआईटीएफ 2015 के दौरान एनआईडीएम ईडीआई/सी, संकाय और कर्मचारियों के साथ चर्चा की

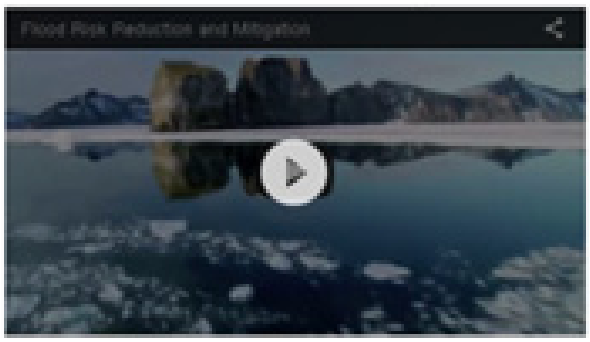
आगंतुकों विशेष रूप से छात्रों के आकर्षण का एक केंद्र था। देश में आपदा प्रबंधन प्रणाली के बारे में पता करने के लिए बच्चों, महिलाओं और अन्य सभी आगंतुकों की रुचि थी। बच्चों ने विशेष रूप से भूकंप, भूस्खलन और परमाणु तथा रासायनिक आपदा मॉडल औरभूकंप आधारित शेक टेबल में गहरी दिलचस्पी दिखाई। उन्होंने एनआईडीएम द्वारा वितरित आईईसी सामग्री को एकत्र करने में भी रुचि दिखाई। स्कूल और सामुदायिक स्तर पर आपदा जागरूकता के बारे में आजोजित स्किट प्ले, क्विज प्रतियोगिता और पेंटिंग प्रतियोगिता कार्यक्रम भीड़ खींचने वाला था और आगंतुकों की सभी श्रेणियों के लिए रुचिकर भी। कुल मिलाकर यह लोगों को आपदाओं से अवगत कराने और आपदाओं के प्रति अधिक सुरक्षित और लचीला बनाने के लिए एक बहुत अच्छी पहल थी। आगंतुकों की प्रतिक्रिया काफी सराहनीय थी आपदा प्रबंधन के विषय में सामान्य जनता में जागरूकता पैदा करने के लिए एनआईडीएम को ऐसे कार्यक्रमों में अधिक भाग लेना चाहिए। आईआईटीएफ में एनआईडीएम का प्रतिनिधित्व करने वाले टीम का नेतत्व लेफ्टिनेंट कर्नल पी.के. पाठक ने किया, श्री एस के तिवारी, लाइब्रेरियन, श्री हेमंत कुमार, कंप्यूटर प्रोग्रामर और श्री राजीव कुमार सभी ने एनआईडीएम कि तरफ से उनका सहयोग किया।

4.8.2 वृत्तचित्र

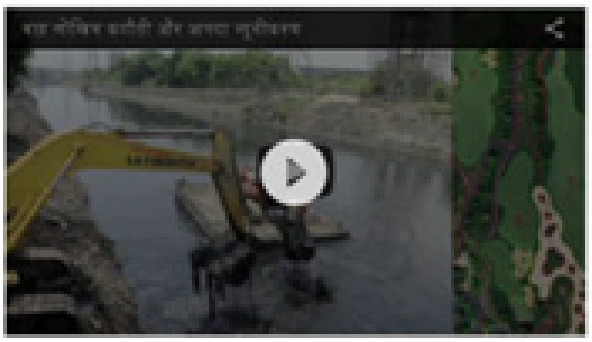
वृत्तचित्र फिल्म जागरूकता पैदा करने का सबसे महत्वपूर्ण माध्यम है और बड़ी मात्रा में हितधारकों के बीच बदलाव लाती है। एनआईडीएम ने विभिन्न आपदाओं और कार्यशालाओं की कार्यवाही पर वृत्तचित्र विकसित किए हैं। इन वृत्तचित्रों के व्यापक प्रसार के लिए यूटयूब पर भी अपलोड किया गया है। कुछ हालिया वृत्तचित्रों का उल्लेख नीचे दिया गया है।

एनआईडीएम ने बाढ़ के बारे में एक वीडियो वृत्तचित्र विकसित किया है जिसमें पानी की बढ़ौती के समय, तैयारी के लिए कुछ सुरक्षा उपाय शामिल हैं और एक बार बाढ़ शुरू हो जाने पर क्या करना है इस विषय में जानकारी है।

(i) Flood Risk Reduction and Mitigation



(ii) बाढ़ जोखिम कटौती और न्यूनीकरण



अध्याय 5

प्रमुख आयोजन / कार्यशालाएं / सम्मेलन / संगोष्ठी (अंतर्राष्ट्रीय और राष्ट्रीय)

अध्याय 5 :– प्रमुख घटनाक्रम कार्यशालाएं / सम्मेलन / सेमिनार (अंतर्राष्ट्रीय और राष्ट्रीय)

5.1 अर्न्तराष्ट्रीय

5.1.1 एनआईडीएम–सार्क टीम की नेपाल यात्रा, 2 से 6 मई 2015 तक

नेपाल में विनाशकारी भूकंप के बाद तबाही के पैमाने को समझने और समर्थन के लिए रणनीति तैयार करने के लिए सार्क डिसस्टर मनेजमेंट सेंटर (एसडीएमसी) के निदेशक और एनआईडीएम के कार्यकारी निदेशक प्रो, संतोष कुमार सहित कई प्रतिनिधियों को मिलकर एक टीम बनाई गई जिसनें 2 मई से 6 मई, 2015 के दौरान नेपाल का दौरा किया। सार्क के एक सदस्य के रूप में हुई यात्रा के दौरान प्रो संतोष कुमार ने एनआईडीएम की ओर से भारत सरकार का भी प्रतिनिधित्व किया। उन्होंने उप–सभापति, योजना आयोग, नेपाल सरकार, नेपाल सरकार के गृह सचिव और नेपाल मे भारत के राजदूत के साथ बैठक में भाग लिया और कार्रवाई के लिए रणनीतियों पर चर्चा की।

5.1.2 ''नेपाल भूकंप : माध्यमिक खतरों के लिए अनिश्चितताओं का उजागर'' 28 मई 2015 को एनआईडीएम में एक विचार–विमर्श कार्यशाला

नेपाल में हाल ही में भूकंप गतिविधि से सीखने एवं सबक लेने पर चर्चा के लिए ''नेपाल भूकंप : माध्यमिक खतरों के लिए अनिश्चितताओं का उजागर'' 28 मई 2015 को एक विचार–विमर्श कार्यशाला का आयोजन किया गया था जिसमें इससे निपटने के लिए उचित कार्रवाई की सिफारिशें की गई ताकि एक भूकंप के बाद की स्थिति के संभावित खतरो को कम किया जा सके।



चित्र 5.1: मंथन कार्यशाला के दौरान प्रतिनिधि

5.1.3 आपदा जोखिम कटौती पर एशियाई मंत्रिस्तरीय सम्मेलन (एएमसीडीआरआर) 2016, वैज्ञानिक और तकनीकी संस्थानों द्वारा 25 अगस्त 2015 को भागीदार एजेंसियों के लिए राष्ट्रीय परामर्श :

एनआईडीएम ने वैज्ञानिक और तकनीकी संस्थानों के राष्ट्रीय परामर्श का आयोजन किया परामर्श, गृह मंत्रालय के गृह राज्य मंत्री श्री किरन रिजिजू, की अध्यक्षता में 02 अगस्त, 2015 को गुलमोहर हॉल, इंडिया हेबीटेट सेंटर, नई दिल्ली में आयोजित किया गया था। सुश्री मार्गरेटा वाहलस्ट्रॉम, डीआरआर के लिए महासचिव की विशेष प्रतिनिधि और यूएनआईएसडीआर के ग्लोबल हेड इस बैठक के लिए विशिष्ट अतिथि थे।



चित्र 5.2: यूएनआईएसडीआर से सुश्री मार्गरेटा वहल्स्टॉम, ने सेंडाइ डिक्लेयरेशन और इवेंट के दौरान इसकी सिफारिशों के बारे में बात की थी

5.1.4 14 अक्टूबर 2015 को बांग्लादेशी प्रतिनिधियों के साथ बैठक

14 अगस्त 2014 को एनआईडीएम संकाय के साथ बातचीत करने और इसकी गतिविधियों के बारे में अधिक जानने के लिए बांग्लादेशी सेना के आपदा प्रबंधन विभाग से चार सदस्यीय टीम ने एनआईडीएम का दौरा किया।

एनआईडीएम के अधिकारियों ने समान हितों के विभिन्न क्षेत्रों में बांग्लादेश के प्रतिनिधियों के साथ बातचीत की और दोनों देशों के बीच गतिविधियों को बढ़ाने के लिए कैसे सहयोग किया जाये इस पर चर्चा हुई।

5.1.5 द्वितीय अंतर्राष्ट्रीय एशियाई भागीदारी (आईएपी) 17 से 19 नवंबर 2015 की बैठक

एशिया में आपदा जोखिम न्यूनीकरण के लिए सेंडाई फ्रेमवर्क के कार्यान्वयन की दिशा में एशियाई नेताओं की बैठक 17 नवंबर, 2015 को नई दिल्ली के होटल अशोक में आयोजित की गई थी। इस बैठक का उद्घाटन करते हुये माननीय केंद्रीय गृह मंत्री श्री राजनाथ सिंह ने अपने उद्घाटन भाषण में कहा था कि भारत खतरे में कमी के लिए आपदा से मुकाबले के क्षेत्र में आगे बढ़ गया है। एशिया में आपदा जोखिम में कटौती के लिए सेंडाइ फ्रेमवर्क के कार्यान्वयन के लिए एशियाई नेतृत्व की बैठक के उद्घाटन सत्र को संबोधित करते हुए 2015 की आपदा न्यूनीकरण (आईएसडीआर) एशिया भागीदारी (आईएपी) की दूसरी अंतर्राष्ट्रीय रणनीति को संबोधित करते हुए, माननीय मंत्री ने जोर दिया कि आपदा के बहुआयामी पहलू संबंधित जोखिम को सकारात्मक कार्रवाई से निपटा जाना चाहिए।



चित्र 5.3: द्वितीय अंतर्राष्ट्रीय एशियाई भागीदारी (आईएपी) बैठक के दौरान सभा को संबोधित करते हुए, श्री किरेन रिजिजू, माननीय केंद्रीय राज्य मंत्री (गृह), गृह मंत्रालय, भारत सरकार

संयुक्त राष्ट्र के महासचिव की विशेष प्रतिनिधि, सुश्री मार्गरेटा वाहल्स्ट्रॉम ने अपनी शुरुआती टिप्पणियों में अगले 15 सालों में सेंडाई फारेमवार्क फोर डिसास्टर रिस्क रिडकशन (एसएफडीआरआर) के प्रभावी कार्यान्वयन के लिए क्षेत्रीय साझेदारी के महत्व पर जोर दिया और जोखिम से निपटने के लिए सभी आवश्यक विकास योजनाओं में डीआरआर को एकीकृत करने और मापने योग्य संकेतक रखने के लिए सभी विकास योजनाओं के डीएनए के महत्व पर जोर दिया।

5.1.6 आपदा जोखिम कम करने के लिए एशिया नेता पुरस्कृत

आपदा जोखिम में कमी के लिए संयुक्त राष्ट्र महासचिव के विशेष प्रतिनिधि सुश्री मार्गरेटा वहल्स्ट्रॉम ने संयुक्त राष्ट्र की ओर से आपदा जोखिम न्यूनीकरण (डीआरआर) के लिए एशिया नेता के रूप में (यूएनआईएसडीआर) की और से माननीय केंद्रीय गृह राज्य मंत्री श्री किरेन रिजिजू को सम्मानित किया। आपदा जोखिम न्यूनीकरण के लिए श्री रिजिजू को सेंडाई समझौते के बाद डीआरआर

के लिए पहला क्षेत्रीय चौंपियन के रूप में सम्मानित किया, जो एशिया–प्रशांत क्षेत्र में समाज को सक्षम करने के लिए क्षेत्रीय समर्थन की सुविधा के लिए भारत के प्रयासों को प्रोत्साहन प्रदान करता है।

सम्मान को स्वीकार करते हुए श्री रिजिजू ने माननीय प्रधान मंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के आपदा प्रबंधन के क्षेत्र में और माननीय गृह मंत्री श्री राजनाथ सिंह के व्यक्तिगत मार्गदर्शन के रूप में भारत के उदगम में महत्वपूर्ण भूमिका को स्वीकार किया। आपदा जोखिम (डीआरआर) में कमी के क्षेत्र में क्षेत्रीय सहयोग की दिशा में भारत की प्रतिबद्धता दोहराते हुए, श्री रिजिजू ने कहा कि सभी दक्षिण एशियाई देशों, सार्क देशों के बीच ज्ञान साझाकरण को बढ़ावा देने के द्वारा कम आपदा जोखिम (डीआरआर) के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए सभी मिलकर काम कर रहे हैं।

दिन के दौरान, श्री किरेन रिजिजू ने एएमसीडीआरआर के पिछले मेजबानों से अंतर्दृष्टि और अनुभवों को मजबूत करने के एक सत्र का संचालन किया। श्री जौ मिंग, सिविल मामलों का मंत्रालय, पीपुल्स रिपब्लिक ऑफ चाईना (2005 में पहली बार एएमसीडीआरआर की मेजबानी), श्री एएचएन यंग क्यू, महानिदेशाध्यक्ष, कोरिया गणराज्य (2010 में चतुर्थ एएमसीडीआरआर की मेजबानी), इंडोनेशिया के राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन संगठन (बीएनबीबी) के उपाध्यक्ष बर्नार्डस विसनु, (2012 में पांचवें एएमसीडीआरआर की मेजबानी), श्री चाइबॉय थिटायक, उप स्थायी सचिव, आंतरिक मंत्रालय, रॉयल थाई सरकार (2014 में छटें एएमसीडीआरआर की मेजबानी) श्री फूमैकी मात्सुमोतो, कैबिनेट कार्यालय के राज्य मंत्री, जापान सरकार (2015 में आपदा जोखिम में कमी पर तीसरी संयुक्त राष्ट्र विश्व सम्मेलन की मेजबानी), मंगोलिया के उप प्रधान मंत्री श्री त्रेतरदास ओयुंबातर (2018 में आठवें एएमसीडीआरआर की मेजबानी) और आपदा प्रबंधन मामलों के मंत्री व्यस अहमद बार्मक, अफगानिस्तान के अफगानिस्तान नेशनल डिसस्टर मनेंजिग अर्थोटी (एएनडीएमए) के अध्यक्ष ने अपने संबंधित राष्ट्र द्वारा किए गए प्रत्येक डीआरआर प्रयासों को प्रस्तुत किया।

समारोह में चीन, इंडोनेशिया, जापान, मलेशिया, मंगोलिया, दक्षिण कोरिया और थाईलैंड के मंत्री, विभिन्न देशों और अंतर्राष्ट्रीय संगठनों के प्रतिनिधियों ने भाग लिया था।

प्रथम एएमसीडीआरआर पोस्ट–सेंडाई क्षेत्रीय योजना और भारत सरकार द्वारा कि गई अन्य पहलों पर एक प्रस्तुति, माननीय प्रधान मंत्री के अतिरिक्त प्रधान सचिव डा पीके मिश्रा ने दी तथा क्षेत्रीय एसएफडीआरआर योजना को लागू करने के लिए छह रणनीतियों का प्रस्ताव दिया था, जिसमें बहु–खतरा और बहु–स्टेकहोल्डर समावेशी दृष्टिकोण, साझा दृष्टिकोण और सामूहिक जिम्मेदारियां, डीआरआर को एक विकास अभ्यास, जोखिम–संवेदनशील निजी निवेश, स्थानीय क्षमता का निर्माण और स्थानीय नेतृत्व को बढ़ावा देना शामिल है, और सभी स्तरों पर साझेदारी के माध्यम से आम परिणामों की दिशा में काम करने पर जोर दिया गया।

बैठक श्री किरेन रिजिजू, माननीय राज्य मंत्री (गृह) द्वारा और सहयोगियों के धन्यवाद पर तथा सातवें एएमसीडीआरआर वेबसाइट का शुभारंभ पर समाप्त हुई। द्वितीय आईएसडीआर एशिया पार्टनरशिप (आईएपी) की 2015 की बैठक के बाद, एशियाई लीडर की बैठक थी, जिसमें एक प्रमुख क्षेत्रीय मंच मिला जो कि एसईडीडीआरआर 2015–2030 को लागू करने के लिए आवश्यक परामर्श और तकनीकी सहायता प्रदान करता है, जिसे संयुक्त रूप से संयुक्त राष्ट्र कार्यालय, आपदा जोखिम न्यूनीकरण (यूएनआईएसडीआर) और गृह मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा आयोजित किया गया।

आईएपी बैठक का फोकस एशिया में एसएफडीआरआर के कार्यान्वयन के लिए सामूहिक रूप से नीति निर्देश तय करना था और एसएफडीआरआर की एशियाई क्षेत्रीय योजना के लिए सातवीं एएमडीआरआरआर की तैयारी के बारे में चर्चा करना था, जो 14 नवंबर को नई दिल्ली में आयोजित होने वाली है। 17, 2016. दिन के दौरान, सदस्यों ने नई दिल्ली में एएमसीडीआरआर–2016 के लिए सेंडाइ फ्रेमवर्क और प्राथमिकताओं के कार्यान्वयन के लिए सरकार के अपडेट पर चर्चा की। श्री आर के जैन, सदस्य सचिव, एनडीएमए, गृह मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारी और कार्यकारी निदेशक, एनआईडीएम, प्रो. संतोष कुमार ने ग्रह मंत्रालय, भारत सरकार की तरफ से धन्यवाद किया।

5.1.7 27 नवंबर 2015 को आपदा जोखिम कटौती पर सर्वोत्तम अभ्यासों पर विचार करने के लिए सार्क सदस्य देशों की क्षेत्रीय कार्यशाला

भारत सरकार द्वारा आयोजित पहला दक्षिण एशियाई आपदा प्रबंधन कार्यक्रम (एसएएडीएमईएक्स–2015), राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में 23 से 26 नवंबर 2015 तक सफलतापूर्वक आयोजित किया गया। इस अभ्यास के बाद नई दिल्ली में होटल अशोक में 27 नवंबर, 2015 को आयोजित होने वाले आपदा जोखिम न्यूनीकरण (डीआरआर) पर सर्वोत्तम अभ्यास



चित्र 5.4: भारत के माननीय प्रधान मंत्री के अतिरिक्त प्रधान सचिव डॉ पी.के. मिश्रा, कार्यशाला के दौरान सभा को संबोधित करते हुए

बांटने पर एक दिन की लंबी क्षेत्रीय कार्यशाला आयोजित की गई। कार्यशाला का एनडीएमए और एनआईडीएम, गृह मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा समन्वयित किया गया था। क्षेत्रीय कार्यशाला का उद्देश्य आपदा जोखिम न्यूनीकरण (डीआरआर) के क्षेत्र में सर्वोत्तम प्रथाओं को साझा करने, अप्रैल 2015 में नेपाल भूकंप पर अनुभव साझा करने और साथ ही साथ एसएएडीएमईएक्स के परिणामों पर विचार–विमर्श करने के लिए सदस्य देशों को एक मंच प्रदान करना था।

5.2 राष्ट्रीय

5.2.1 18 से 22 मई 2015 को राष्ट्रीय परामर्श और भारत के लिए पीडीएनए (नेशनल साईक्लोन रिस्क मिटिगेशन प्रोजेक्ट) के अंतर्गत बहस कार्यशाला का आयोजन

18–22 मई, 2015 को भारत अंतर्राष्ट्रीय केंद्र, नई दिल्ली में राष्ट्रीय चक्रवात जोखिम प्रबंधन परियोजना (एनसीआरएमपी) के तहत भारत के लिए आपदा पुर्व आवश्यकताओं के आकलन (पीडीएनए) पर एक राष्ट्रीय परामर्श और बहस कार्यशाला का



चित्र 5.5: कार्यशाला के दौरान भाषण देते एक प्रतिनिधि

आयोजन किया गया। इस कार्यशाला में भारत के लिए पीडीएनए पुस्तिका को महत्वपुर्ण रूप में पेश किया गया जिससे इसके अध्ययन के महत्वपुर्ण पहलुओं तथा उन पर प्रतिक्रिया और अनुमोदन प्राप्त किये जा सकें।

5.2.2 19 मई 2015 को एनआईडीएम संकाय के साथ संयुक्त सचिव (आपदा प्रबंधन) और गृह मंत्रालय के अन्य अधिकारियों की परस्पर बातचीत

श्री के. के. पाठक, आईएएस, संयुक्त सचिव (आपदा प्रबंधन) के साथ डीएम विभागों के तीन निदेशकों श्री अशोक शुक्ला, श्री संजय अग्रवाल और श्री गौतम घोष ने संस्थान के कार्य और गतिविधियों की देखरेख के लिए 19 मई, 2015 को एनआईडीएम का दौरा किया।



चित्र 5.6: श्री के.के. पाठक जेएस (डीएम), एमएचए, एनआईडीएम संकाय के साथ बातचीत करते हुयें

5.2.3 5 जून 2015 को विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर ''गर्म हवाओं द्वारा उत्पन चुनौतियों का प्रबंधन'' पर विशेषज्ञ समूह चर्चा

भारत में गर्म हवाओं की घटनांए लगातार बढ़ रही है और कई भारतीय राज्यों में इस साल भी कई जगहों पर स्वास्थ्य पर इसका प्रतिकुल प्रभाव पड़ा है। कई जगहों पर हालात काफी खराब हो गए हैं वर्तमान परिदृश्य को देखते हुए, लोगों की जिंदगी और स्वास्थ्य को बचाने के लिए प्रभावी प्रतिक्रिया महत्वपूर्ण है, भविष्य में जोखिम कम करने और गर्म और ठंडी हवाओं के खिलाफ प्रबंधन के लिए रणनीति तैयार करना अवश्यक है। पिछले दशक और उससे भी ज्यादा समय से दुनिया भर में मौसम की खराब स्थिति जीवन का एक हिस्सा बन गई है, इसको समझाना और उसके साथ मानव अस्तित्व के लिए रणनीतियों का निर्माण एक अनिवार्य तत्व बन गए हैं। इन विचारों को ध्यान में रखते हुए 5 जून 2015 को ''विश्व पर्यावरण दिवस'' के अवसर पर एनआईडीएम ने एनआईडीएम परिसर में ''गर्म हवाओं द्वारा उत्पन चुनौतियां'' पर एक बहस सत्र का आयोजन किया।



चित्र 5.7 : प्रो वी.के. शर्मा, आईआईपीए और प्रो संतोष कुमार, ईडी एनआईडीएम ने इस घटना के दौरान अपने विचार साझा किए

5.2.4 12 जून 2015 को स्वास्थ्य सेवा क्षेत्र के लिए राष्ट्रीय क्षमता निर्माण रणनीति पर विचार विमर्श कार्यशाला

12 जुलाई 2011 को एनआईडीएम में स्वास्थ्य सेवा क्षेत्र के लिए राष्ट्रीय क्षमता निर्माण की रणनीति पर एक आधे दिन की विचार विमर्श कार्यशाला आयोजित की गई, कार्यशाला का उद्देश्य स्वास्थ्य देखभाल क्षेत्र में दीर्घकालिन रणनीतियों की योजना और आयोजनों के लिए सभी हितधारकों के साथ परामर्श करना था।



चित्र 5.8: कार्यशाला के प्रतिभागियों के साथ स्वास्थ्य क्षेत्र में डीआरआर के योगदान पर एनडीएमए के सदस्य श्री कमल किशोर विचार विर्मश करते हुये।

5.2.5 19 जून, 2015 को एनआईडीएम की गवर्निंग बॉडी की बैठक

एनआईडीएम के शासी निकाय की 9वीं बैठक को गृह मंत्रालय में 19 जून 2015 को भारत सरकार के केंद्रीय गृह सचिव श्री एल सी गोयल की अध्यक्षता में नोर्थ ब्लाक, ग्रह मंत्रालय में आयोजित किया गया था। बैठक के दौरान शासी निकाय ने एनआईडीएम की निम्नलिखित प्रस्तावों को आगे बढ़ने को कहाः

- आपदा प्रबंधन पर जवाहर लाल नेहरू यूनिवर्सिटी के साथ डीआरआर में एम फिल और पीएचडी कार्यक्रमों को शुरू करना

- आपदा प्रबंधन में निर्माण प्रबंधन/ व्यावहारिक विज्ञान और प्रारंभिक चेतावनी प्रणाली पर आपदा में बीटेक कार्यक्रम शुरू करने की तैयारी करना

एनआईडीएम द्वारा आयोजित प्रशिक्षण कार्यक्रमों में सिविल सोसाइटी/निजी क्षेत्र से प्रतिभागियों (प्रशिक्षुओं/प्रशिक्षकों) को आमंत्रित किया गया।

5.2.6 7 अगस्त 2015 को आपदा अनुसंधान में उत्कृष्टता केंद्र स्थापित करने के लिए एनआईडीएम ने जेएनयू के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किये।

एनआईडीएम और जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय (जेएनयू) ने जेएनयू परिसर में आपदा अनुसंधान और लचीलापन भवन में उत्कृष्टता के लिए केंद्र स्थापित करने के लिए समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए। एनआईडीएम के कार्यकारी निदेशक संतोष कुमार और विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर एस सोपुरी ने गृह मंत्रालय के राज्य मंत्री श्री किरेन रिजिजू की उपस्थिति में समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए। मंत्री ने कहा कि इन दोनों प्रतिष्ठित संस्थानों के सहयोग से छात्रों को नए उभरते हुए शोध करने का मौका मिलेगा और इनकी प्रशासन में पदों से लेकर उच्च स्तर तक में उपस्थिति भी होगी। श्री रिजिजू ने कहा कि इस में आपदा प्रबंधन पेशेवरों की नई नस्ल पैदा करने की क्षमता होगी।

इस समझौता ज्ञापन का उद्देश्य आपसी अनुशासनात्मक रूपरेखा के भीतर अनुसंधान, शिक्षण, क्षमता और जनशक्ति विकास को शुरू करना है जो समुदायों को ऐसे तरीके से विज्ञान प्रदान करता है कि यह नाजुक पारिस्थिति की प्रणालियों में समुदायों के लिए उपयोगी और समझ में आता है। इस समझौता ज्ञापन के अंतर्गत गतिविधियां बेहतर तैयारियों, कानूनी और प्रशासन सुधारों, शीघ्र पहचान और चेतावनी प्रणाली के लिए बढ़ी हुई क्षमता, प्रशासनिक व्यवस्था में स्वदेशी ज्ञान का अवशोषण, विभिन्न प्रकार की कमजोरियों के प्रति संवेदनशीलता, रिमोट सेंसिंग और जीआईएस आधारित शमन प्रयासों के माध्यम से समुदाय के लचीलेपन का निर्माण करना होगा। और इससे स्थानीय प्रशासन की पर्यावरण क्षमता में वृद्धि होगी।

इस कार्यक्रम का उदेद्श्य स्थानीय समुदायों पर ध्यान तथा जमीनी स्तर पर संसाधन संरक्षण को बढावा देना था।

5.2.7 21 सितंबर 2015 को राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन संस्थान (एनआईडीएम) के सहयोग से आपदा अनुसंधान में उत्कृष्टता के लिए केंद्र के रूप में पहचान बनने के लिए जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय (जेएनयू) में ''आपदा अनुसंधान कार्यक्रम (डीआरपी)'' का प्रमोचन

डीआरपी को लॉन्च करने के लिए जेएनयू ने अपने अनुशासनात्मक अनुसंधान क्लस्टर पहल कार्यक्रम के तहत प्रस्ताव पेश किया उसके बाद यह निर्णय

लिया गया कि जेएनयू और एनआईडीएम के संकायों के बीच 21 सितंबर, 2015 को एक कार्यक्रम रखा जाये, जेएनयू कन्वेंशन सेंटर में लॉन्च समारोह के बाद 'आपदा जोखिम में शिक्षण विज्ञान में अन्वेषण सामाजिक विज्ञान उपकरण' पर पूर्ण दिवस राष्ट्रीय संगोष्ठी आयोजित की गई। यह अवसर पर श्री किरेन रिजिजू, भारत सरकार के माननीय केन्द्रीय राज्य मंत्री (गृह), प्रो एस.के. सोपीरी कुलपति, जेएनयू, प्रो संतोष कुमार, एनआईडीएम, श्री ओ पी सिंह डीजी एनडीआरएफ और अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

कार्यशाला में एनआईडीएम, जेएनयू के संकाय, अन्य महाविद्यालयों के संकाय, अंतरराष्ट्रीय गैर सरकारी संगठनों और छात्रों के प्रतिनिधियों ने भाग लिया।



चित्र 5.9 : श्री किरेन रिजिजू, माननीय केन्द्रीय राज्य मंत्री (गृह), गृह मंत्रालय, भारत सरकार ने सभा को संबोधित किया

5.2.8 7 अक्टूबर 2015 को स्वामी विवेकानंद विश्वविद्यालय, मध्य प्रदेश, अग्नि सुरक्षा एवं आपदा प्रबंधन विभाग के छात्रों और संकाय, की शैक्षणिक यात्रा

स्वामी विवेकानंद विश्वविद्यालय, सागर, मध्य प्रदेश, के अग्नि सुरक्षा एवं आपदा प्रबंधन विभाग के दो संकाय सदस्यों के साथ 25 छात्रो ने बुधवार, 7 अक्टूबर, 2015 को एनआईडीएम में शैक्षिक यात्रा की यात्रा के दौरान, वे आपदा प्रबंधन पर उपलब्ध साहित्य के बारे में जानने के लिए संस्थान पुस्तकालय गए। इसके बाद एनआईडीएम, इसकी गतिविधियां, दृष्टि, मिशन, प्रशिक्षण कार्यक्रम, भारत में डीएम का संस्थागत ढांचा, आईडीआरएन, ऑनलाइन पाठ्यक्रम और स्वयं अध्ययन कार्यक्रम के बारे में जानकारी के बारे में एक संक्षिप्त प्रस्तुतीकरण किया गया।

5.2.9 एनआईडीएम, नई दिल्ली 9 अक्टूबर, 2015 को 'जोखिम/आपदा प्रबंधन पर ऑनलाइन पीजी कोर्स', पर कार्यशाला

विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) ने विभिन्न विषयों में पोस्ट–ग्रेजुएशन के लिए खुली ऑनलाइन पाठ्यक्रम (एमओओसी) शुरू करने की पहल की है। इस संबंध में, एनआईडीएम को पीजी स्तर के छात्रों के लिए आपदा प्रबंधन पर पाठ्यक्रम और पाठ्यक्रम सामग्री को विकसित करने की जिम्मेदारी दी गई है।

एनआईडीएम ने शुक्रवार, 9 अक्टूबर 2015 को 'जोखिम/आपदा प्रबंधन पर ऑनलाइन पीजी कोर्स के विकास' पर चर्चा के लिए अपने परिसर में लेखकों की कार्यशाला का आयोजन किया।

5.2.10 4 दिसंबर 2015 को मैंगलोर विश्वविद्यालय, मंगलौर के छात्रों की मुलाकात

मंगलौर विश्वविद्यालय के 2 संकाय सदस्यों के साथ 15 छात्रों के समूह, मंगलौर ने 4 दिसंबर, 2015 को एनआईडीएम परिसर का दौरा किया। छात्रों ने अपनी यात्रा के दौरान एनआईडीएम संकाय के साथ संक्षिप्त बातचीत की। बातचीत के दौरान उन्हें एनआईडीएम के बारे में जानकारी दी गई : तटीय सामुदायिक लचीलापन और भूकंप जोखिम में कमी और नैतिकता पर विचार विर्मश किया गया।

5.2.11 4 से 5 फरवरी 2016 तक बिहार कृषि प्रबंधन और विस्तार प्रशिक्षण संस्थान

(बीएएमईटीइआई) पटना में ''आपदा जोखिम में कटौती और कोसी बेसिन में प्रतिरोधक जीवनयापन'' पर ज्ञानवर्धन कार्यक्रम

एनआईडीएम ने 4 व 5 फरवरी 2016 को बिहार राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण, बिहार सरकार और तकनीकी रूप से सहयोगी इन्टरनेशनल सेन्टर फोर इन्टीग्रेटेड माउंटेन डेवलपमेंट (आईसीआईएमओडी), काठमांडू द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित एक दो दिवसीय कार्यशाला में भाग लिया। इस मंच के निम्न मुख्य उद्देश्य थे :

1. बाढ़ और सूखा तथ्यों पर आधारित ज्ञान और उपकरणों को साझा करने के लिए

2. कोसी बेसिन में बाढ़ और सूखा से संबंधित आपदा जोखिम में कमी और कमजोरियां
   - कोसी बेसिन में सामाजिक आर्थिक और आजीविका सुधार
   - कोसी बेसिन पर तैयार किए गए ज्ञान को नीति और कार्यों में बदलने के लिए चुनौतियों और क्षमताओं पर चर्चा करना

3. प्रभावी नीति समर्थन के लिए तथ्यों पर आधारित ज्ञान का उपयोग करके क्षेत्रीय सहयोग प्रक्रिया को कैसे मजबूत कर सकता है, इस पर विचार करना।

5.2.12 कोलकाता में 02 फरवरी से 1 मार्च 2016 तक''संग्रहालय में आपदा जोखिम प्रबंधन'' पर कार्यशाला

किसी भी संग्रहालय के लिए आपदा प्रबंधन योजना (डीएमपी) बहुत महत्वपूर्ण है यह संग्रहालय के लोगों को संग्रहालय के प्रबंधन में शामिल करता है, संग्रहालय में संभव होने वाली विभिन्न आपदाओं, निवारण प्रक्रियाओं, आपदा प्रबंधन में प्रशिक्षण और संग्रहालय वस्तुओं के लिए आपदा प्रक्रियाओं के बाद के बारे में जानकारी देता है। इस संदर्भ में भारतीय संग्रहालय और विक्टोरिया मेमोरियल हॉल ने संयुक्त रूप से 29 फरवरी – 01 मार्च 2016 को कोलकाता में ''संग्रहालयों में आपदा जोखिम प्रबंधन'' पर एनडीएमए के सहयोग से दो दिवसीय आपदा प्रबंधन तैयारियों का कार्यक्रम आयोजित किया। कार्यशाला का उद्देश्य डीएमपी तैयार करने में तथा संग्रहालय की देखभाल के लिए जिम्मेदार क्यूरेटर, सुरक्षा कर्मियों, प्रशासन और अन्य हितधारकों को प्रशिक्षित करना था।

श्री राजेश कुमार सिंह, संयुक्त निदेशक, एनआईडीएम ने ''सांस्कृतिक विरासत क्षेत्र में आपदा जोखिम न्यूनीकरण तत्वों का एकीकरण'' विशय पर एक तकनीकी विशेषज्ञ के रूप में कार्यशाला में संस्थान का प्रतिनिधित्व किया। उन्होंने अन्य डीएम विशेषज्ञों के साथ सहभागियों को वनावटी अभ्यास के माध्यम से, भारतीय संग्रहालय में और आस–पास में खतरा–शिकार अभ्यास करने और संग्रहालय के डीएम प्लान के शामिल प्रमुख तत्वों की पहचान करने में मदद की।

5.2.13 3 से 4 मार्च 2016 को एनआईडीएम, नई दिल्ली में ''आपातकाल में पशु प्रबंधन'' पर राष्ट्रीय कार्यशाला का आयोजन

एनआईडीएम ने पशुपालन, डेयरींग और मत्स्यपालन विभाग (डीएडीएफ), कृषि और किसान कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार, नीति परिप्रेक्ष्य फाउंडेशन(पीपीएफ) के साथ मिलकर ''आपातकाल में पशुओं के प्रबंधन'' पर अपनी तरह की एक अनोखी राष्ट्रीय कार्यशाला का आयोजन किया। विश्व पशु संरक्षण राष्ट्रीय कार्यशाला का उद्देश्य राज्यों के पशुपालन विभागों के प्रमुखों तथा राज्य सरकार के अधिकारियों को आपात स्थितियों के दौरान पशु कल्याण की जरूरतों को प्रभावी ढंग से प्रबंधित करने और उनके जीवन पर निर्भर समुदायों की

आजीविका की रक्षा के लिए रणनीतियों की खोज में संवेदनशीलता को समझना था।

माननीय कृषि और किसान कल्याण मंत्री श्री राधा मोहन सिंह ने कार्यशाला का उद्घाटन किया। अपने उद्घाटन भाषण में माननीय केन्द्रीय मंत्री ने भारतीय संदर्भ में जानवरों के महत्व पर प्रकाश डाला और कहा कि जानवर तो हर किसी के दिल में है, यह हमारे परिवार, संस्कृति और आजीविका है, जानवर हमारे जीवन का एक आंतरिक हिस्सा हैं। उन्होंने आगे हमारी अर्थव्यवस्था में जानवरों के महत्व पर जोर दिया और कहा जानवर राष्ट्र की संपत्ति है और यह उनकी रक्षा करने के लिए हमारा सबसे महत्वपूर्ण कर्तव्य है तथा उन्हें सुरक्षा की आवश्यकता है। प्रो संतोष कुमार, कार्यकारी निदेशक एनआईडीएम और अन्य ने उद्घाटन समारोह में सभा को संबोधित किया।

उद्घाटन समारोह के दौरान केन्द्रीय कृषि और किसान कल्याण मंत्री, माननीय श्री राधा मोहन सिंह ने पशुओं पर पहली राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन योजना (एनडीएमपी फॉर एनिमल) का शुभारंभ किया। यह योजना सुनिश्चित करता है कि जानवरों को आपदा की तैयारी में शामिल किया जाएगा, संभवतः लाखों जानवरों के जीवन को बचाने और जो उन पर निर्भर हैं उनमें प्रतिरोधक क्षमता का निर्माण करना इसका मुख्य उद्देश्य है। श्री अशोक कुमार अंगूराना, सचिव पशुपालन विभाग, (डेयरिंग और मत्स्य पालन मंत्रालय), कृषि मंत्रालय ने इस तरह की पहल की आवश्यकता पर प्रकाश डाला कि जानवरों और मनुष्यों की नियति में हस्तक्षेप हो रहा है। और यदि जानवर जोखिम में है, तो हम भी हैं। यह एक महान मंच है जहां सभी हितधारकों को डीएम प्लान तैयार करने के लिए लगाया गया है यह अपनी तरह कि पहली योजना है जिसमें आपात स्थितियों में पशुओं के कल्याण के लिएयोजना तैयार की जा रही है।

इस क्षेत्र में काम करने वाले लगभग 80 विशेशज्ञों ने इस कार्यशाला में भाग लिया जिसमें 20 राज्यों से इस क्षेत्र में कार्यरत सरकारी अधिकारियों और कई राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय एजेंसियों तथा एनजीओ ने जिसमें अपना योगदान दिया।



चित्र 5.10: कार्यशाला के उद्घाटन सत्र के दौरान अन्य राजनयिकों के साथ श्री राधा मोहन सिंह, कृषि और किसान कल्याण के माननीय केंद्रीय मंत्री



चित्र 5.11 कार्यशाला में 20 राज्यों के सरकारी अधिकारी उपस्थित थे

अध्याय 6

संगठनात्मक व्यवस्था

अध्याय 6

संगठनात्मक व्यवस्था

संस्थान द्वारा किए गए प्रशिक्षण, अनुसंधान और परामर्श गतिविधियां संस्थान के प्रशासन शाखा द्वारा समर्थित हैं। केंद्रीय गृह मंत्री संस्थान के अध्यक्ष हैं और राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के उपाध्यक्ष (एनडीएमए) इसके उपाध्यक्ष हैं।

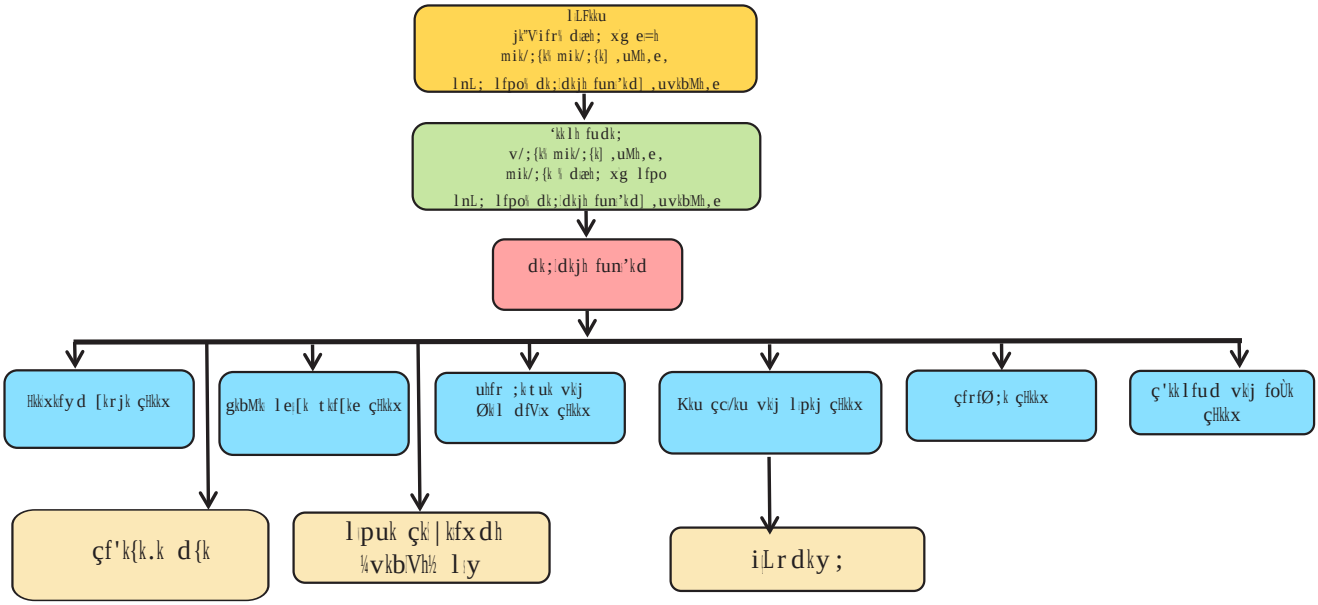
संस्थान में 42 सदस्य शामिल हैं जिसमें विभिन्न प्रमुख मंत्रालयों के सचिव, भारत सरकार और राज्य सरकारों के सचिव, राष्ट्रीय स्तर के वैज्ञानिक, अनुसंधान और तकनीकी संगठनों के प्रमुख शामिल हैं, इसके इलावा प्रसिद्ध विद्वान, वैज्ञानिक और चिकित्सक भी इसका हिस्सा है।

अनुबंध III : संस्थान के सदस्यों की सूची

संस्थान, राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के उपाध्यक्ष की अध्यक्षता में, 15 सदस्यों का एक शासी निकाय है। संघीय गृह सचिव संस्थान के शासी निकाय के उपाध्यक्ष हैं अनुबन्ध–IV : एनआईडीएम के शासी निकाय सदस्यों की सूची

6.1 संगठनात्मक संरचना

संस्थान के पास छह विभाग हैं जिसमें प्रशिक्षण प्रभाग के इलावा आई टी सेल तथा पुस्तकालय केंद्र प्रमुख है। (चित्र 6.1)



चित्र 6.1: एनआईडीएम का संगठन

6.2 एनआईडीएम संकाय

एनआईडीएम के संकाय की प्रभाग आधार सूची तालिका 6.2 में दिखायी गई है

तालिका 6.2 : एनआईडीएम के संकाय

स,	नाम	पदनाम
1.	प्रो संतोष कुमार	कार्यकारी निदेशक (आई/सी)
प्रतिक्रिया प्रभाग		
2.	श्री राजेश कुमार सिंह	संयुक्त निदेशक (जनवरी 2016)
3.	लेफ्टिनेंट कर्नल पी.के. पाठक	परामर्शदाता
4.	डॉ सुषमा गुलेरिया	शोध सहयोगी
भौगोलिक खतरा प्रभाग		
5.	डॉ चंदन घोष	प्रोफेसर और प्रमुख
6.	डॉ अमीर अली खान	सहायक प्रोफेसर
7.	डॉ रितु राज	शोध सहयोगी
हाइड्रो समुंख जोखिम प्रभाग		
8.	डा के जे आनंद कुमार	एसोसिएट प्रोफेसर और प्रमुख (सितंबर 2015 तक)
9.	सुश्री श्रीजा एस नायर	सहायक प्रोफेसर (जुलाई 2015 तक)
10.	डॉ आशुतोष देव कौशिक	शोध सहयोगी
ज्ञान प्रबंधन और संचार प्रभाग		
11.	डॉ सूर्य प्रकाश	एसोसिएट प्रोफेसर और प्रमुख
नीति योजना और क्रॉस कटिंग प्रभाग		
12.	डॉ अनिल के गुप्ता	एसोसिएट प्रोफेसर और प्रमुख
13.	सुश्री चंद्राणी बंद्योपाध्याय	सहायक प्रोफेसर
14.	डा अजेन्द्र वालिया	सहायक प्रोफेसर
15.	श्री शेखर चतुर्वेदी	शोध सहयोगी

6.3 सामान्य प्रशासन

संस्थान के कार्यकारी निदेशक संस्थान के प्रशासन के लिए जिम्मेदार हैं और शासी निकाय के निर्देश और मार्गदर्शन के तहत शक्तियों का इस्तेमाल करते हैं। कार्यकारी निदेशक को संयुक्त निदेशक, लेखा अधिकारी और प्रशासनिक अधिकारी इस कार्य में सहायता प्रदान करते है। संस्थान के प्रशासन में मुख्य रूप से समन्वय, सांविधिक बैठकों का संचालन, प्रतिष्ठान और कर्मियों का संचालन, सुरक्षा, परिसर समर्थन सेवाएं और कर्मचारियों के कल्याण शामिल

है। यह कार्यक्रमों के सुचारू संचालन के लिए आवश्यक बुनियादी ढांचे और प्रबंधकीय सहायता प्रदान करके संस्थान में अनुसंधान, प्रशिक्षण और परामर्श गतिविधियों की सुविधा प्रधान करते है। एनआईडीएम के कर्मचारी तालिका 6.3 में सूचीबद्ध हैं।

तालिका 6.3 : एनआईडीएम के कर्मचारी

सं	नाम	पदनाम
1	श्री हेमंत कुमार	कम्प्यूटर प्रोग्रामर
2	श्री संतोष कुमार तिवारी	पुस्तकालयाध्यक्ष
3	सुश्री रितु सूद	प्रशासनिक सहायक
4	श्री एसएस बिष्ट	जूनियर सहायक
5	श्री अविनाश कुमार पांडेय	निजी सहायक
6	श्री जे.एन. झा	जूनियर इंजीनियर
7	सुश्री अमृता गुप्ता	पर्सनल सहायक
8	सुश्री संतोष मिश्रा	डाटा एंट्री ऑपरेटर
9	श्रीमती गीता शर्मा	डेटा एंट्री ऑपरेटर
10	श्री राजीव कुमार	डेटा एंट्री ऑपरेटर
11	सुश्री मेघा कोहली	डेटा एंट्री ऑपरेटर
12	श्री अमर सिंह	मशीन ऑपरेटर
13	श्री लक्ष्मण सिंह	मल्टी टास्किंग स्टाफ (एमटीएस)
14	श्री विजय कनोजिया	मल्टी टास्किंग स्टाफ (एमटीएस)
15	श्री पंकज मल्टी	टास्किंग स्टाफ (एमटीएस)
16	सुश्री जया	लाइब्रेरी अटेंडेंट

6.4 हिंदी का प्रगतिशील उपयोग

एनआईडीएम ने 2011–12 से ''हिंदी दिवस'' मनाने की शुरुआत की। 2015 में, एनआईडीएम के परिसर में 24 सितंबर को हिंदी दिवस मनाया गया। इस अवसर पर कविताओं और प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता आयोजित की गई, जिसमें एनआईडीएम के स्टाफ और संकाय सदस्यों ने उत्साह और उमंग से भाग लिया

हिंदी भाषा को बढ़ावा देने के लिए पोस्टर, पुस्तक चिन्ह, पुस्तिका आदि के रूप में विभिन्न आईईसी सामग्री, एनआईडीएम द्वारा हिंदी में विकसित की गई। बड़ी संख्या में लोगों तक पहुंचने के उद्देश्य से विभिन्न मॉड्यूलों का हिंदी में भी अनुवाद किया गया।

अध्याय 7

वित्त और लेखा

अध्याय :- 7 वित्त और लेखा

संस्थान के वित्त और लेखा विभाग के कार्यों में बजट, लेखांकन, रसीदों के प्रबंधन और भुगतान, तैयारी और वार्षिक खातों का संकलन, मंत्रालय को लेखापरीक्षित वार्षिक खातों को जमा करना शामिल है। इसके अलावा, प्रशासन प्रशासन से संबंधित विभिन्न मामलों पर वित्तीय सलाह प्रदान करता है।

(i) 2015–16 वर्ष के दौरान गृह मंत्रालय द्वारा एनआईडीएम के पक्ष में रूपये 12,00,00,000/– अनुदान सहायता की राशि मंजूर की गई। जिसमें रूपये 2,37,77,042/– के अनुदान, अनुदान शेष के रूप में थे।

(ii) राष्ट्रीय प्रबंधन कार्यक्रम पर केंद्रीय क्षेत्र योजना के उद्देश्य के लिए रूपये 10,02,86,714/– का उपयोग किया गया है जिसके लिए इसे मंजूरी दी गई थी।

(iii) शेष रूपये 4,34,90,328/– बाकि वर्ष के अंत तक बिना प्रयोग के रहा हैं, उसे 2016–17 के दौरान देय अनुदान सहायता के लिए समायोजित किया जाएगा। वर्ष 2015–16 के लिए इंस्टीट्यूट की बैलेंस शीट के साथ लेखा परीक्षित रिपोर्ट अनुबन्ध – 5 में दी गई है

8 अनुबन्ध की सूची

8.1 अनुबंध i : एनआईडीएम में आयोजित आमने–सामने प्रशिक्षण की सूची

8.2 अनुबंध ii : विभिन्न राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों से प्रतिभागियों की सूची

8.3 अनुबंध iii : संस्थान के सदस्यों की सूची

8.4 अनुबंध iv : संस्थान के शासी निकाय के सदस्यों की सूची

8.5 अनुबंध v : बैलेंस शीट के साथ ऑडिट रिपोर्ट

8.1 अनुबंध I : 2015–16 के दौरान एनआईडीएम द्वारा आयोजित आमने–सामने प्रशिक्षण की सूची

क्र. संख्या	पाठ्यक्रम का नाम	स्थान	दिनांक(एस)	पाठ्यक्रम समन्वयक	सहभागियों की संख्या
1.	स्कूल सुरक्षा पर टीओटी	एनआईडीएम	13–17 अप्रैल	डॉ रितुराज	30
2.	आपदाओं के खिलाफ तटीय समुदाय लचीलापन	जीएए, ओडिशा	22–24 अप्रैल	डॉ सुषमा गुलेरिया	28
3.	आईआरएस पर टीओटी कोर्स बेसिक एंड इंटरमीडिएट	एनआईडीएम	27 अप्रैल–1 मई	कर्नल पी के पाठक	21
4.	शहरी जोखिम प्रबंधन के लिए टीओटी	एनआईडीएम	27 अप्रैल–1 मई	चंद्राणी बंद्योपाध्याय	23
5.	यशदा, पुणे के सहयोग से रैपिड विजुअल सर्वे द्वारा इमारतों की भूकंपी सुरक्षा आकलन	नासिक	5–7 मई	प्रोफेसर चंदन घोष	35
6.	सामुदायिक आधारित डीआरआर पर टीओटी पाठ्यक्रम	एनआईडीएम	5–8 मई	डॉ सूर्य प्रकाश	19
7.	लिंग एवं आपदा प्रबंधन	एनआईडीएम	11–15 मई	डा अजिंदर वालिया	16
8.	भूकंप जोखिम न्युनीकरण और प्रबंधन	एनआईडीएम	18–22 मई	डॉ आमिर अली खान	30
9.	शहर आपदा प्रबंधन योजना	जीआईडीएम, गुजरात	19–21 मई	चंद्राणी बंद्योपाध्याय श्री शेखर चतुर्वेदी	31
10.	शिक्षको की स्कूल सुरक्षा के लिए टीओटी	एटी झारखंड	8–12 जून	डॉ रितु राज	42
11.	आपदा जोखिम प्रबंधन में वन्य क्षेत्र की भूमिका	एफआरआई देहरादून	8–12 जून	डॉ ए डी कौशिक डॉ अनिल के गुप्ता	15
12.	अस्पताल आपदा प्रबंधन योजना की तैयारी और कार्यान्वयन पर टीओटी पाठ्यक्रम	एनआईडीएम	8–12 जून	डॉ के जे आनंदा कुमार	20
13.	व्यापक भूस्खलन संबंधी आपदा जोखिम प्रबंधन	यशोदरा, गुजरात	29 जून –3 जुलाई	डॉ सूर्य प्रकाश	33
14.	ग्राम आपदा विकास योजना, को तैयार करने के लिए टीओटी	एसआईआरडी,यूपी	6–10 जुलाई	डॉ सुषमा गुलेरिया श्री शेखर चतुर्वेदी डा अजिंदर वालिया	33
15.	आपदाओं में बच्चों की आवश्यकता	एनआईडीएम	13–17 जुलाई	डा अजिंदर वालिया	21
16.	स्कूल जोखिम कटौती पर टीओटी	एनआईडीएम	20–24 जुलाई	डॉ रितुराज	30
17.	आईआरएस पर टीओटी कोर्स – प्लानिंग सेक्शन चीफ	एनआईडीएम	3–7 अगस्त	कर्नल पी के पाठक	20
18.	लिंग और आपदा	एनआईडीएम	17–21 अगस्त	डा अजिंदर वालिया	34
19.	एसआईआरडी तमिलनाडु के सहयोग से सामुदायिक आधारित आपदा जोखिम प्रबंधन	एनआईडीएम	17–21 अगस्त	श्री शेखर चतुर्वेदी के जे आनंद कुमार	16
20.	स्कूल सुरक्षा आपदा प्रबंधन योजना पर टीओटी	एनआईडीएम	24–28 अगस्त	डॉ रितु राज	31
21.	पीडीएनए उपकरण पर टीओटी	एमसीआरएचआरडी संस्थान,	24–28 अगस्त	के जे आनंदा कुमार	50
22.	अफ्रीकी देशों के अधिकारियों के लिए व्यापक आपदा जोखिम प्रबंधन पर टीओटी	एनआईडीएम	7–18 सित।	डॉ सूर्य प्रकाश श्री शेखर चतुर्वेदी डॉ सुषमा गुलेरिया	22
23.	बाढ़ संबंधी आपदा जोखिम न्यूनीकरण और प्रबंधन पर टीओटी	एनआईएच रुड़की	7–11 सितम्बर	डॉ ए डी कौशिक डॉ अनिल के गुप्ता	29
24.	पोस्ट आपदा आवश्यकताओं के आकलन के लिए उपकरण	एनआईडीएम	14–18 सितम्बर	डॉ के जे आनंदा कुमार	42

क्र.	संख्या	पाठ्यक्रम का नाम	स्थान	दिनांक(एस)	पाठ्यक्रम समन्वयक	सहभागियों की संख्या
25.		पोस्ट आपदा आवश्यकता मूल्यांकन उपकरण – पेशेवरों को प्रशिक्षण	बीआईपीएआरडी, बिहार	21–23 सितम्बर	एनआईडीएम (एनसीआरएमपी) टीम	56
26.		मूलभूत आपदा प्रबंधन पर टीओटी	सीजीएए छत्तीसगढ़,	5– 9 अक्टूबर	चंद्राणी बंद्योपाध्याय एस चतुर्वेदी	34
27.		आपदा पुर्व की आवश्यकता मूल्यांकन उपकरण पर टीओटी	एनआईडीएम	12–16 अक्टूबर	एनआईडीएम (एनसीआरएमपी) टीम	18
28.		आधुनिक तकनीकों के द्वारा भूस्खलन से बचाव	यूएओए, उत्तराखंड	13–15 अक्टूबर	डॉ सूर्य प्रकाश	24
29.		आपदा पुर्व की आवश्यकता मूल्यांकन उपकरण – पेशेवरों को प्रशिक्षण	यशदा, महाराष्ट्र	19 –21 अक्टूबर	एनआईडीएम (एनसीआरएमपी) टीम	22
30.		आपदा साइको–सोशल केयर	एनआईडीएम	26–30 अक्टूबर	डा अजिंदर वालिया	27
31.		ज्ञान और शिक्षा के माध्यम से सुरक्षा के संस्कृति के निर्माण पर टीओटी	एनआईडीएम	2–6 नवंबर	डॉ रितु राज	16
32.		शहर विकास योजना में मुख्यधारा आपदा प्रबंधन	एमएसआरएचआरडी संस्थान, तेलंगाना	4–6 नवंबर	चंद्राणी बंद्योपाध्याय श्री शेखर चतुर्वेदी	24
33.		आईआरएस–ऑपरेशन सेक्शन चीफ पर टीओटी पाठ्यक्रम	एनआईडीएम	16–17 नवंबर	कर्नल पी के पाठक	15
34.		आईआरएस इनसीडेंट – कमांडर पर टीओटी कोर्स	एनआईडीएम	18–20 नवंबर	कर्नल पी के पाठक	15
35.		आपदा पुर्व पुनर्निर्माण और पुनर्वास	आईएमपीए, जम्मू और कश्मीर	18–20 नवंबर	अमीर अली खान	25
36.		वन अग्नि आपदा जोखिम जोखिम और प्रतिक्रिया	एफआरआई देहरादून	14–18 दिसम्बर	डॉ ए डी कौशिक डॉ अनिल के गुप्ता	15
37.		मुख्यधारा के विकास में दुर्घटना	एटीआई, पश्चिम बंगाल	28–31	डी सी सी बंद्योपाध्याय	26
38.		ज्ञान और शिक्षा के माध्यम से सुरक्षा के संस्कृति के निर्माण पर टीओटी	एचसीएम–आरआईपीए, राजस्थान	11–15 जनवरी	डॉ अमीर अली खान	24
39.		आपदा परिस्थितियों में संचार प्रणाली	एनआईडीएम	11–15 जनवरी	डॉ सूर्य प्रकाश	38
40.		आईआरएस पर टीओटी कोर्स लोजेसटीक सेक्शन चीफ	एनआईडीएम	18–22 जनवरी	कर्नल पी के पाठक	7
41.		स्कूल सुरक्षा योजना पर टीओटी	एनआईडीएम	20–22 जनवरी	डॉ रितु राज	20
42.		आपदाओं, आपात स्थिति और विवाद के संबंध द्वारा पर्यावरण–स्वास्थ्य	वीएमएमसी, दिल्ली	3–5 फरवरी	डॉ अनिल के गुप्ता डॉ ए डी कौशिक	35
43.		सतत विकास के लिए आपदा जोखिम में कमी रणनीतियां/योजना एवं नीति उपकरण (संयुक्त सचिव (केंद्रीय)/सचिव (राज्य) स्तर के अधिकारी, डीओपीटी के साथ संयुक्त रूप से)	एनआईडीएम	17–18 फरवरी	डॉ अनिल के गुप्ता	16
44.		विकास में आपदा जोखिम में कटौती के मुख्य धारा के लिए स्थानीय सरकारों को मजबूत करने के लिए टीओटी कोर्स	एनआईडीएम	22–26 फरवरी	चंद्राणी बंद्योपाध्याय श्री शेखर चतुर्वेदी	26
45.		औद्योगिक (रासायनिक) आपदा प्रबंधन	एमडीसीएसएचई, ओडिशा	22–26 फरवरी	डॉ अनिल के गुप्ता डॉ ए डी कौशिक	35

क्र.	संख्या	पाठ्यक्रम का नाम	स्थान	दिनांक(एस)	पाठ्यक्रम समन्वयक	सहभागियों की संख्या
46.		अस्पताल के आपदा प्रबंधन योजना में टीओटी	एनआईडीएम	7–11 मार्च	डॉ आमिर अली खान	45
47.		बाढ़ जोखिम पर नियंत्रण और प्रबंधन	एटीआई पंजाब	8–11 मार्च	डॉ ए डी कौशिक डॉ अनिल के गुप्ता	24
48.		मूलभूत आपदा प्रबंधन पर टीओटी कोर्स	एनआईडीएम	14–18 मार्च	डॉ सूर्य प्रकाश	38
49.		एनआईएमएचएएनएस, बैंगलोर के सहयोग से आपदा साइको–सोशल केयर	एमजीएसआईपीए, पंजाब	14–18 मार्च	डा अजिंदर वालिया	22
50.		डीआरआर में अग्नि सेवा और होम गार्ड्स मुख्य धारा में		28–30 मार्च	कर्नल पी के पाठक श्री शेखर चतुर्वेदी	30
51.		डीडीएमए के साथ मिलकर प्रथम आईडीआरएन कार्यक्रम	दिल्ली	30 जून	सुश्री श्रीजा नायर	28
52.		बीएसडीएमए के साथ मिलकर द्वितीय कार्यक्रम	पटना	28 जुलाई	सुश्री श्रीजा नायर	45
53.		बीएसडीएमए के साथ मिलकर तितिय कार्यक्रम	पटना	29 जुलाई	सुश्री श्रीजा नायर	37
54.		जीआईडीएम और जीएसडीएमए के सहयोग से चतुर्थ कार्यक्रम	गुजरात	4 नवम्बर	डॉ सुषमा गुलेरिया	20
55.		जीआईडीएम और जीएसडीएमए के सहयोग से पंचम कार्यक्रम	गुजरात	5 नवंबर	डॉ सुषमा गुलेरिया	20
					कुल योग	1488

8.2 अनुबंध II : भारत के विभिन्न राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के प्रतिभागियों की सूची

स.	राज्य का नाम	प्रशिक्षणार्थी	स.	राज्य का नाम	प्रशिक्षणार्थी
1.	अंडमान और निकोबार द्वीप समूह	06	19.	महाराष्ट्र	122
2.	आंध्र प्रदेश	51	20.	मणिपुर	06
3.	असम	12	21.	मेघालय	08
4.	बिहार	178	22	मिजोरम	06
5.	चंडीगढ़	7	23	नगालैंड	20
6.	छत्तीसगढ़	55	24	ओडिशा	88
7.	दादरा एवं नगर हवेली	03	25	पुडुचेरी	01
8.	दमन और दीव	04	26	पंजाब	51
9.	दिल्ली	186	27	राजस्थान	40
10	गोवा	18	28	सिक्किम	26
11.	गुजरात	82	29	तमिलनाडु	74
12.	हरियाणा	19	30	तेलंगाना	22
13.	हिमाचल प्रदेश	13	31	त्रिपुरा	08
14.	जम्मू और कश्मीर	39	32	उत्तर प्रदेश	72
15.	झारखंड	56	33	उत्तराखंड	69
16.	कर्नाटक	14	34	पश्चिम बंगाल	58
17.	केरल	13	35	अंतर्राष्ट्रीय और अन्य	44
18.	मध्य प्रदेश	17			

8.3 अनुबंध III : संस्थान के सदस्यों की सूची

स.	सदस्य	
1.	माननीय केंद्रीय गृह मंत्री, गृह मंत्रालय, उत्तर ब्लॉक, नई दिल्ली –110011	राष्ट्रपति
2.	माननीय उपाध्यक्ष, राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण, एनडीएमए भवन, ट्रामा सेंटर, एम्स, ए –1, सफदरजंग एन्क्लेव, नई दिल्ली	उपाध्यक्ष
3.	माननीय सदस्य, राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण, एनडीएमए भवन, ट्रामा सेंटर, एम्स, ए –1, सफदरजंग एन्क्लेव, नई दिल्ली	सदस्य
4.	केंद्रीय गृह सचिव, नॉर्थ ब्लॉक, नई दिल्ली	सदस्य
5.	सचिव, वित्त मंत्रालय, व्यय विभाग, उत्तर ब्लॉक, नई दिल्ली	सदस्य
6.	सचिव, कृषि मंत्रालय, कृषि भवन, नई दिल्ली	सदस्य
7.	सचिव, विदेश मामलों के मंत्रालय, दक्षिण ब्लॉक, नई दिल्ली	सदस्य
8.	सचिव, स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय, निर्माण भवन, नई दिल्ली	सदस्य
9.	सचिव, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्रालय, प्रौद्योगिकी भवन, नई मेहरावली रोड, नई दिल्ली	सदस्य
10.	सचिव, परमाणु ऊर्जा विभाग, दक्षिण ब्लॉक, नई दिल्ली	सदस्य
11.	सचिव, अंतरिक्ष विभाग, लोक नायक भवन, नई दिल्ली	सदस्य
12.	सचिव, पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय, महासागर भवन, ब्लॉक नंबर 12, सीजीओ कॉम्प्लेक्स, लोदी रोड, नई दिल्ली –110003	सदस्य
13.	सचिव (सीमा प्रबंधन), गृह मंत्रालय, नॉर्थ ब्लॉक, नई दिल्ली	सदस्य
14.	अतिरिक्त सचिव और वित्तीय सलाहकार, गृह मंत्रालय, नॉर्थ ब्लॉक, नई दिल्ली	सदस्य
15.	सचिव/अपर सचिव, राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण, एनडीएमए भवन, ट्रामा सेंटर, एम्स, ए –1, सफदरजंग एन्क्लेव, नई दिल्ली	सदस्य
16.	महानिदेशक, सिविल डिफेन्स और राष्ट्रीय आपदा प्रतिक्रिया बल, पूर्वी ब्लॉक –7, स्तर –7, आर.के. पुरम, नई दिल्ली –66	सदस्य
17.	एकीकृत रक्षा स्टाफ के उपाध्यक्ष, सिद्धांत संगठन और प्रशिक्षण (डीओटी), आईडीएस, मुख्यालय एकीकृत रक्षा कर्मचारी, 23 दक्षिण होटमेंट्स, कश्मीर हाउस, राजाजी मार्ग, नई दिल्ली – 110 001।	सदस्य
18.	सचिव (आपदा प्रबंधन), गुजरात सरकार, राजस्व विभाग, ब्लॉक –11, 3 तल, नई सचिवालय, गांधीनगर –382010.	सदस्य
19.	सचिव (आपदा प्रबंधन), आपदा प्रबंधन विभाग, बिहार सरकार, पुराने सचिवालय, पटना – 800 015.	सदस्य
20.	उप–कुलपति, गुरु गोबिंद सिंह इंद्रप्रस्थ विश्वविद्यालय, कश्मीरी गेट, दिल्ली –11006.	सदस्य
21.	निदेशक, लाल बहादुर शास्त्री नेशनल एकेडमी ऑफ एडमिनिस्ट्रेशन, मसूरी – 248179।	सदस्य
22.	निदेशक, सरदार वल्लभाभाई पटेल, राष्ट्रीय पुलिस अकादमी, शिवरामली, हैदराबाद – 500 052।	सदस्य
23.	महानिदेशक, भारत मौसम विभाग, मौसम भवन, लोदी रोड, नई दिल्ली	सदस्य
24.	निदेशक, इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट, कोलकाता, जोका, डी एच रोड, कोलकाता –700104.	सदस्य
25.	निदेशक, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, रुड़की, उत्तराखंड	सदस्य
26.	अध्यक्ष, केंद्रीय जल आयोग, सेवा भवन, आर.के. पुरम, नई दिल्ली	सदस्य
27.	निदेशक, भारतीय लोक प्रशासन संस्थान, आई.पी. एस्टेट, नई दिल्ली	सदस्य
28.	महानिदेशक, भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद, कृषि भवन, नई दिल्ली	सदस्य

29. महानिदेशक, आंध्र प्रदेश ग्रामीण विकास अकादमी, राजेंद्रनगर, हैदराबाद – 500 030.	सदस्य
30. महानिदेशक, भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद, वी। रामलिंगस्वामी भवन अंसारी नगर, नई दिल्ली –110 02 9।	सदस्य
31. अध्यक्ष, उत्तराखंड प्रशासनिक सुधार आयोग, 15 9 श्रद्धा कुंज, वसंत विहार, चकराता रोड, देहरादून	सदस्य
32. राष्ट्रीय भूकंपी सलाहकार, गृह मंत्रालय, आई.पी. एस्टेट	सदस्य
33. सीएमडी, जनरल इंश्योरेंस कॉरपोरेशन, सुरक्षा, जे टाटा रोड, चर्चगेट, मुंबई –400 020।	सदस्य
34. सीएमडी, इलाहाबाद बैंक, हेड ऑफिस, 2, एन एस रोड, कोलकाता– 700 001	सदस्य
35. राष्ट्रपति, फेडरेशन ऑफ इंडियन चौंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री (फिक्की), फेडरेशन हाउस, नई दिल्ली	सदस्य
36. अध्यक्ष, भारतीय उद्योग परिसंघ (सीएम), कोर 4–ए, चौथा मजला, भारत आवास केंद्र, लोदी एस्टेट, नई दिल्ली – 110 003.	सदस्य
37. निदेशक, ऑल इंडिया डिजास्टर मिटिगेशन इंस्टीट्यूट, 411, सैकर पांच, नेचरराज सिनेमा के पास, आश्रम रोड, अहमदाबाद –9	सदस्य
38. महासचिव, इंडियन रेड क्रॉस सोसाइटी, 1 रेड कॉर्स रोड, नई दिल्ली	सदस्य
39. निदेशक, राष्ट्रीय भौगोलिक अनुसंधान संस्थान, उपल रोड, हैदराबाद – 500 007।	सदस्य
40. महानिदेशक, स्वास्थ्य सेवा, स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय, निर्माण भवन, नई दिल्ली	सदस्य
41. प्रोफेसर, राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन संस्थान, आईआईपीए कैंपस, आईपी एस्टेट, महात्मा गांधी रोड, नई दिल्ली –110002	सदस्य
42. कार्यकारी निदेशक, राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन संस्थान, आईआईपीए कैंपस, आईपी एस्टेट, महात्मा गांधी मार्ग, नई दिल्ली –110002 सदस्य	सचिव

राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के उपाध्यक्ष की अध्यक्षता में 15 सदस्यों की एक शासी निकाय का संस्थान है। केंद्रीय गृह सचिव संस्थान के शासी निकाय के उपाध्यक्ष हैं (तालिका 7.2)

8.4 अनुबंध IV : एनआईडीएम के शासी निकाय सदस्यों की सूची

सं.	नाम पता	
1.	उपाध्यक्ष, राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण, एनडीएमए भवन, ट्रामा सेंटर, एम्स, ए –1, सफदरजंग एन्क्लेव, नई दिल्ली	अध्यक्ष
2.	केंद्रीय गृह सचिव गृह मंत्रालय, नॉर्थ ब्लॉक, नई दिल्ली	उपाध्यक्ष
3.	अतिरिक्त सचिव (विदेश) और आपदा प्रबंधन के प्रभारी, गृह मंत्रालय, नॉर्थ ब्लॉक, नई दिल्ली	सदस्य
4.	सचिव, वित्त मंत्रालय, व्यय विभाग, उत्तर ब्लॉक, नई दिल्ली	सदस्य
5.	सचिव, विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्रालय, प्रौद्योगिकी भवन, नई मेहराउली रोड, नई दिल्ली	सदस्य
6.	सचिव, अंतरिक्ष विभाग, तीसरी मंजिल, लोक नायक भवन, नई दिल्ली	सदस्य
7.	सचिव राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण, एनडीएमए भवन, ट्रामा सेंटर, एम्स, ए –1, सफदरजंग एन्क्लेव, नई दिल्ली	सदस्य
8.	अतिरिक्त सचिव और वित्त सलाहकार, गृह मंत्रालय, नॉर्थ ब्लॉक, नई दिल्ली	सदस्य
9.	प्रमुख सचिव, राजस्व और आपदा प्रबंधन विभाग, असम सरकार, असम सचिवालय, दिसपुर, गुवाहाटी, असम	सदस्य
10	अध्यक्ष, केंद्रीय जल आयोग, 315, सेवा भवन, आर.के.पुराम, नई दिल्ली	सदस्य
11.	निदेशक भारतीय प्रबंधन संस्थान, कोलकाता, डायमंड हार्बर रोड, पीओ जोका, कोलकाता –7010104	सदस्य
12.	निदेशक भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, रुड़की –267667, उत्तराखंड	सदस्य
13.	निदेशक राष्ट्रीय भौगोलिक अनुसंधान संस्थान, उपल रोड, हैदराबाद –500007	सदस्य
14.	उप–कुलपति, गुरु गोबिंद सिंह इंद्रप्रस्थ विश्वविद्यालय, सेक्टर –16 सी, द्वारका, दिल्ली –110078	सदस्य
15.	कार्यकारी निदेशक, राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन संस्थान 5 बी, आईपी एस्टेट, आईआईपीए कैंपस, महात्मा गांधी मार्ग नई दिल्ली 110002	सदस्य सचिव

8.5 अनुबंध V: ऑडिट रिपोर्ट बैलंस शीट के साथ

सेवा में
कार्यकारी निदेशक
राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन संस्थान
नई दिल्ली।

1. हमने राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन संस्थान के 31 मार्च, 2016 तक के संलग्न तुलन पत्र का वित्तीय विवरणों का लेखापरीक्षा किया है, जिसमें इस तारीख को समाप्त वर्ष के लिए आय और व्यय खाते (नकद आधार पर बनाए गये) और प्राप्ति और भुगतान खाता भी शामिल है। महत्वपूर्ण लेखांकन नीतियों का एक सारांश इसके साथ जोड़ा गया है।

2. वित्तीय विवरणों के लिए प्रबंधन की जिम्मेदारी

प्रबंधन इन वित्तिय विवरणों को तैयार करने और उसमें प्रस्तुत विवरणों की सचाई और निष्पक्षता के लिए पुरी तरह से जिम्मेदार है इस जिम्मेदारी में तैयारी और प्रस्तुति के लिए प्रासंगिक, आंतरिक नियंत्रण का डिजाइन, कार्यान्वयन और रखरखाव शामिल है प्रस्तुत वित्तीय विवरण सच्चे और निष्पक्ष दृष्टिकोण देने वाले तथा भौतिक गलती से मुक्त हैं, चाहे व धोखाधड़ी या त्रुटि के कारण हो।

3. ऑडिटर उत्तरदायित्व

हमारी जिम्मेदारी प्रस्तुत वित्तीय विवरणों के आधार पर लेखापरीक्षा पर अपनी राय व्यक्त करना है। हमने भारत के चार्टर्ड एकाउंटेंट्स संस्थान द्वारा जारी ऑडिटीज के मानकों के अनुसार हमारी लेखापरीक्षा की है। उन मानकों के लिए आवश्यक है कि हम नैतिक आवश्यकताओं और अनुपालन और लेखा परीक्षा का निष्पादन करने के लिए उचित आश्वासन प्राप्त करें कि वित्तीय विवरण भौतिक गलतियों से मुक्त हैं या नहीं।

एक ऑडिट में वित्तीय विवरणों के बारे में लेखों और खुलासे के बारे में लेखापरीक्षा साक्ष्य प्राप्त करने की प्रक्रियाएं शामिल हैं। चयनित प्रक्रियाएं, ऑडिटर के फैसले पर निर्भर करती है, जिसमें वित्तीय विवरणों के भौतिक गलतफहमी के जोखिम के आकलन शामिल हैं, वह चाहे धोखाधड़ी या त्रुटि के कारण हो उन जोखिम आकलनों को बनाने में, लेखा परीक्षक ऑडिटी की तैयारी और वित्तीय वक्तव्यों के उचित प्रस्तुतीकरण के लिए आंतरिक नियंत्रण को मानता है ताकि परिस्थितियों में उपयुक्त ऑडिटिंग प्रक्रिया की जा सके, लेकिन इसमें इकाई की प्रभावशीलता पर कोई राय व्यक्त करने के उद्देश्य से नहीं है। आंतरिक नियंत्रण, एक लेखापरीक्षा में लेखांकन नीतियों की उपयुक्तता का मूल्यांकन और प्रबंधन द्वारा किए गए लेखांकन अनुमानों की उचितता, साथ ही वित्तीय वक्तव्यों की समग्र प्रस्तुति का मूल्यांकन भी शामिल है।

हमारा मानना है कि हमारे ऑडिट राय प्रस्तुत करने के लिए हमारे पास पर्याप्त और उपयुक्त विवरण प्राप्त है।

4. हमारे द्वारा कि गयी उपरोक्त टिप्पणियों तथा अनुबन्धों के अलावा हम निम्न प्रतिवेदन प्रस्तुत करते है :–

(i) हमने सभी सूचनाएं और स्पष्टीकरण प्राप्त कर लिया है, जो हमारे लेखापरीक्षा के उद्देश्य के लिए हमारे ज्ञान और विश्वास के लिए सर्वोत्तम है।

(ii) हमारे विचार में कानूनी आधार पर खातों की उचित किताबें (नकद आधार पर बनाई गई) प्रस्तुतकर्ता द्वारा रखी गई है, जो कि यह हमारी परीक्षा से दिखाई देता है,

(iii) इस रिपोर्ट से संबंधित तुलन पत्र और आय और व्यय खाते जो प्रस्तुत किये गये है खातों के सभी अनुबंधो को पुरा करते है।

हमारी राय में और हमारी जानकारी के अनुसार तथा हमें दिए गए स्पष्टीकरण के अनुसार, इस रिर्पाट पर हमारी निम्न टिप्पणियों है :–

इन खातों को महत्वपूर्ण लेखांकन एवं प्रबंधन नीतियों, आकस्मिक देयता और नोट्स पर लेखों के साथ साथ अनुसूची – 11 के कानुन के अनुसार भारत में सामान्यतः स्वीकार किए गए लेखांकन सिद्धांतों के अनुरूप एक सच्चे और निष्पक्ष दृश्य से दिया जाता हैं :–

(i) राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन के 31.03.2016 के प्रस्तुत खातों के मामले में तथा

(ii) आय और व्यय खाते के मामले में, उस तिथि पर समाप्त होने वाले वर्ष में ''आय व्यय कि तुलना मे अधिक है''।

स्थान : दिल्ली
दिनांक : 20–10–2016

राश्ट्रीय आपदा प्रबंधन संस्थान
(गृह मंत्रालय)

31 मार्च, 2016 को तुलन पत्र

विवरण	अनुसूची	चालु वर्श रा ि ा रूपये पैसे 31.03.2016	गत वर्श रा ि ा रूपये पैसे 31.03.2015
कोश/चालू निधि और देनदारियां			
आरक्षित और अधि ेश	'1'	105,887,003.11	86,431,865.64
भुमि के लिए पूंजी अनुदान	.	10,000,000.00	10,000,000.00
चालू देनदारियां और प्रावधान	'2'	45,797,229.00	38,486,300.00
	कुल	161,684,232.11	134,918,165.64
सम्पतियां			
अचल सम्पतिया	'3'	59,872,762.00	60,130,911.00
निवे ा	'4'	380,75,838.00	32,442,792.00
चल सम्पतियां, ऋण और अग्रिम 11,093,056.00	'5'	63,735,632.11	42,344,462.64
	कुल	161,684,232.11	134,918,165.64

राश्ट्रीय आपदा प्रबंधन संस्थान

31 मार्च, 2016 को समाप्त होने वाले वर्श के लिए आय और व्यय खाता

	सारणी	31.03.2016 रूपये रूपये पैसे	31.03.2015 रूपये रूपये पैसे
एमएचए द्वारा आय/ अनुदान			
एमएचअए द्वारा अनुदान	'6'	120,000,000.00	100,000,000.00
	कुल	120,000,000.00	100,000,000.00
एमएचए द्वारा अनुदान खर्च			
स्थापना व्यय	'7'	34,269,344.00	37,857,896.00
अन्य प्र ाासनिक व्यय	'8'	29,695,267.64	38,471,626.00
प्र िक्षन कार्यक्रम/कार्य ाालाओं पर व्यय	'9'	35,140,827.89	18,006,726.00
मूल्यह्रास	'3'	1,439,423.00	1,557,769.91
	कुल	100,544,862.53	95,894,017.91
एमएचअए अनुदान का भोश अधि ोश (ए–बी)		19,455,137.47	4,105,982.09
अन्य स्रोत्रों से आय/खर्च			
अर्जित ब्याज (सीपीएफ)	'10'	2,987,817.00	2,595,108.00
अन्य स्रोत्रों से आय/खर्च	'10'	4,838,457.00	2,861,541.00
	कुल	7,826,274.00	5,456,649.00
अभिप्रायपुर्ण लेखांकन नितियां और खातों पर टिप्पणियां	'11'		

		31,.03.2016 को रा ि ा	31,.03.2015 को रा ि ा
सारणी : 1 आरक्षित और अधि ेश			
प्रारंभिक भोश		86,431,865.64	82,325,883.55
घटा : गत वर्श की सं ोधन			
जमा : व्यय(आय) की आय(व्यय) पर अधिकता आय और व्यय खाते से स्थांतरित		19,455,137.47	4,105,982.09
	कुल	105,887,003.11	86,431,865.64

सारणी : 2 चालू देनदारियां और प्रावधान

	31,.03.2016 को रा ि ा	31,.03.2015 को रा ि ा
कर्मचारी अं ादायी भविश्य निधि		
प्रारंभिक भोश	29,612,531.00	25,062,771.00
जमा : नियोक्ता योगदान	1,770,703.00	1,643,011.00
: कर्मचारी अं ादान	1,880,803.00	1,738,911.00
: ब्याज	2,477,714.00	2,036,171.00
	35,741,751.00	30,480,864.00
घटा : निकासी / अग्रिम	(653,428.00)	(868,333.00)
	35,088,323.00	29,612,531.00
सरकार को देय अन्य आय	8,054,780.00	5,477,224.00
अग्रिम धन जमा	261,298.00	161,480.00
सीजीएचएस, सीजीईआईएस, अनुज्ञापत्र भुल्क आदि	–	280,614.00
देययोग्य खर्च	2,251,019.00	2,672,242.00
प्राप्त सुरक्षा रा ि ा	141,809.00	141,809.00
राज्य के चैक	–	140,400.00
कुल	45,797,229.00	38,486,300.00

सारणी : 3 निवे ा

युको बैंक में सवधि जमा		38,075,838.00	32,442,792.00
(कर्मचारी योगदायी भविश्य निधि)	कुल	38,075,838.00	32,442,792.00

सारणी : 4 चल सम्पति, ऋण और अग्रिम

ए	चल समप्तियां		
	युको बैंक खाता संख्या 1820020000924924	61,483,142.46	(9,145340.01)
	स्व हस्तांतरित खाता		49,502,112.00
	बैंक भोश	61,483,142,46	40,356,771.99
बी	ऋण, अग्रिम और अन्य समप्तियां		
	कर्मचारी अग्रिम	1,400.00	2,030.00
	विविध देनदार	366,037.00	1,036,917.00
	सुरक्षा जमा	65,000.00	15,000.00
	वासुली योग्य स्रोत्रों पर कर कटौती	253,673.65	253,673.65
	आकस्मिक खर्चो के लिए अग्रिम	1,000.00	150.00
	वाहन खर्च	29,781.00	31,038.00
	त्योहार अग्रिम	35,598.00	38,298.00
	एनडीएमए–एनएसएसपी कार्यक्रम से प्राप्तयोग्य	–	610,584.00
	पीएलए खाता (विविध प्राप्तियां)	1,500,000.00	–
	कुल	63,735,632.11	42,344,462.64

प्रस्तुत प्रतिवेदन मूल रूप से अंग्रेजी में लिखित प्रतिवेदन का हिन्दी अनुवाद है। यदि इसमें कोई विसंगति पाई जाती है तो अंग्रेजी में लिखित प्रतिवेदन मान्य होगा।

सारणी : '3' अचल सम्पतियों का विवरण और मुल्यह्रास वर्श 2015–16

क्रमाक	विवरण	मूल्य	डब्लुडीवी 01.04.2015	वृद्धि 180 दिनों से अधिक	180 दिनों से कम	कटौती	कुल	वर्श का मुल्यह्रास	डब्लुडीव 01.03.2016
			रूपये	रूपये	रूपये	रूपये	रूपये	रूपये	रूपये
1.	पुस्तकें	60%	352,970	139,923	52,958	.	545,851	311,623	234,228
2.	कार्यालय उपकरण	15%	753,546	.	.	.	753,546	113,032	640,514
3.	स्थिर और अस्थिर वस्तुंए	10%	2,603,781			.	2,603,781	260.379	2,343,402
	कारखाना और म ीनरी								
4.	कारखाना और म ीनरी	40%	665,462		570,008	56,810	1,178,660	380,186	798,474
	कम्पयुटर								
5.	कम्पयुटर और सहायक उपकरण	60%	236,358	378,095	17,100	.	631,553	373,802	257,751
6.	कम्पयुटर प्रक्रिया साम्रगी	60%	668	.	.	.	668	401	267
7.	भूमि	0%	55,518,126	.	80,000		55,598,126	.	55,598,126
	कुल		60,130,911	518,018	720,066	56,810	61,312,185	1,439,423	59,872,762

प्रस्तुत प्रतिवेदन मूल रूप से अंग्रेजी में लिखित प्रतिवेदन का हिन्दी अनुवाद है। यदि इसमें कोई विसंगति पाई जाती है तो अंग्रेजी में लिखित प्रतिवेदन मान्य होगा।

सारणी : 6 एमएचए से प्राप्त अनुदान (डीएम विभाग)	31,.03.2016 को रा ि ा रूपये पैसे	31,.03.2015 को रा ि ा रूपये पैसे
गृह मंत्रालय द्वारा राश्ट्रीय आपंदा प्रबंधन कार्यक्रम के अर्न्तगत केन्द्रीय क्षेत्र योजना पर	120,000,000.00	100,000,000.00
कुल	120,000,000.00	100,000,000.00

सारणी : 7 स्थापना व्यय (एमएचए अनुदान)		
वेतन और भते	28,085,946.00	31,805654.00
अवका ा यात्रा छुट/एलटीए	394,877..00	669,668.00
अधिलाभ	72,534.00	75,988.00
भविश्य निधि में योगदान	1,770,703.00	1,643,011.00
कर्मचारी भविश्य निधि में भोश पर अर्जित व्याज	2,477,714.00	2,036,171.00
उपहार	446,950.00	606,108.00
चिकित्सा उपचार	613,375.00	171,989.00
भौक्षिक भाुल्क	342,000.00	438,240.00
एलएसपीसी	65,245.00	411,067.00
कुल	34,269,344.00	37,857,896.00

सारणी : 8 अन्य प्र ाासनिक व्यय (एमएचए अनुदान)	रूपये पैसे	रूपये पैसे
मरम्मत और रख रखाव	2,183,737.00	1,695,263.00
डाक व्यय	266,938.00	492,388.00
छपाई और लेखन सम्रागी	814,939.00	732,983.00
विधुत और जल प्रभार	2,043,211.00	1,977,045.00
विविध व्यय	456,421.00	1,325,619.00
समाचार पत्र और पत्रिकांए	92,998.00	101,375.00
दूरभाश व्यय	656,440.00	652,590.00
विज्ञापन और प्रचार	6,526,684.00	14,457,401.00
घरेलु यात्रा	826,495.00	1,143,296.00
विदे ाी यात्रा व्यय	828,871.00	344,052.00
व्यावसयिक भाुल्क	69,540.00	51,326.00
किराया, दर और कर	13,324,344.00	12,889,854.00
बैंक प्रभार	648.64	23,108.00
प्रका ान	1,301,095.00	1,619,954.00
अनुसंधान और प्रलेखन	302,906.00	965,372.00
कुल	29,695,267.64	3871,626.00

सारणी : 9 प्र ाक्षण कार्यक्रमों पर व्यय (एमएचए अनुदान)		
प्र ाक्षण कार्यक्रमों/कार्य ाालाओं पर व्यय	35,140,827.89	18,006,726.00
कुल	35,140,827.89	18,006,726.00

सारणी : 10 अर्जित ब्याज		
सावधि जमा (सीपीएफ) पर अर्जित ब्याज	2,987,817.00	2,595,108.00
अतरिक्त ब्याज (एफडीडी)	4,838,457.00	–
एनपीसीडीआरआर कार्यक्रम से अर्जित फीस	–	–
एनपीसीबीईईआरएम कार्यक्रम से अर्जित फीस	–	–
एटीआई पर बिना खर्चे भोश प्राप्त	–	–
विविध बिक्री	–	–
कुल	7,826,274.00	2,595,108.00

प्रस्तुत प्रतिवेदन मूल रूप से अंग्रेजी में लिखित प्रतिवेदन का हिन्दी अनुवाद है। यदि इसमें कोई विसंगति पाई जाती है तो अंग्रेजी में लिखित प्रतिवेदन मान्य होगा।

राश्ट्रीय आपदा प्रबंधन संस्थान

31 मार्च, 2016 को समाप्त होने वाले वर्श के लिए प्राप्ति और भुगतान खाता

		31,.03.2016 को रूपये पैसे		31,.03.2015 को रूपये पैसे	
प्राप्तियां					
प्रारभिक भोश					
चैक जारी पर सावधि जमा के लिए पे ा नहीं	–		–	2,271,324.00	
बैंक भोश (चालु खाता)	(9,145,340.01)			(11,966,795.00)	
बैंक भोश (सीपीएफ सावधि जमा)	32,442,792.00			25,062,771.00	
बैंक भोश (अन्य सावधि जमा)	49,502,112.00	72,799,563.99		37,682,947.00	53,048,246.99
प्राप्त अनुदान					
राश्ट्रीय आपंदा प्रबंधन कार्यक्रम के अर्न्तगत (आय)	120,000,000.00			100,000,000.00	
राश्ट्रीय आपंदा प्रबंधन कार्यक्रम के अर्न्तगत (पूँजी)				10,000,000.00	
एनपीसीईबीईआरएम/एनपीसीबीएओआरएम योजना के लिए अनउपयोगी निधि	–			–	
एनडीएमए से एनडीआरआर के लिए प्राप्त					
दक्षिण एि ाया कार्यक्रम से प्राप्ति				1,700,000.00	
एटीआई से प्राप्त अनउपयोगी धन	–			–	
एनपीसीडीआरआर कार्यक्रम के के लिए प्राप्ति	–			–	
		120,000,000.00			111ए700ए000ण्00
पीएओ–एमएचए को देय कार्मचारी प्राप्ति				58,295.00	
बैंक ब्याज	4,838,457.00			2,861,541.00	
सीपीएफ के साथ पूंजीगत सावधि पर ब्याज	2,987,817.00			2,595,108.00	
राज्य चैक				140,400.00	
सी भविश्य निधि	1,880,803.00			1,738,911.00	
सुरक्षा धन जमा	99,818.00	9,806,895.00		141,809.00	7ए536ए064ण्00
सार्क/एचडी से बिजली और पानी के प्राप्त बिल	1,208,239.00			1,165,121.00	
विविध प्राप्तियां	141,200.00				
ऋण और अग्रिम (ुद्ध)				10,647.00	1,175,768.00
वाहन ब्याज	7,995.00	1,357,434.00			
कुल		203,963,892.99			173,460,078.99

प्रस्तुत प्रतिवेदन मूल रूप से अंग्रेजी में लिखित प्रतिवेदन का हिन्दी अनुवाद है। यदि इसमें कोई विसंगति पाई जाती है तो अंग्रेजी में लिखित प्रतिवेदन मान्य होगा।

भुगतान

पुंजीगत व्यय

कम्पयुटर और सहायक उपकरण	395,195.00			
उपकरण और औजार(ुद्व बिक्रि)	513,198.00		589,921.00	
पुस्तकलय	192,881.00		390,991.00	
स्थिर और अस्थिर वस्तुंए			448,047.00	1,428,959.00
भूमि	80,000.00	1,181,274.00		4,361,127.00
अन्य स्रोत्रों से प्राप्त जो सरकार को देय		5,456,649.00		
राजस्व व्यय				
प्र िक्षण कार्यक्रम/कार्य ाला	33,113,685.89		16,595,562.00	
एनडीएमए कोश के लिए प्र िक्षण कार्यक्रम				
		33,113,685.89		16,595,562.00
ऋण और अग्रिम (ुद्ध)	61,475.00			
राज्य चैक	68,400.00			
विविध देनदार	19,136.00	149,011.00		
विविध जमा		50,000.00		
स्थापना व्यय				
वेतन और भतें	28,031,013.00		32,266,638.00	
अवका ा यात्रा छुट/एलटीए	382,397.00		669,668.00	
अभिलाभां ा	72,534.00		75,988.00	
एलएसपीसी	65,245.00			
चिकित्सा उपचार	558,689.00		171,989.00	
भौक्षिक भुल्क	159,000.00		225,240.00	
वि ोश भता	446,950.00	29,715,828.00		33,409,523.00
भविश्य निधि से निकासी/अग्रिम	653,428.00		868,333.00	
सीजीएचएचएस को देय कटौती	221,878.00			
देय भुगतान	2,672,242.00		3,109,033.00	
		3,547,548.00		3,977,366.00
अन्य प्र ाासनिक व्यय				
मरम्मत और रख रखाव	1,892,507.00		1,705,480.00	
डाक व्यय	250,749.00		464,625.00	
छपाई और लेखन सम्रागी	814,939.00		732,983.00	
बिजली और जल प्रभार	2,467,832.00		2,905,537.00	
किराया, दर और कर	13,324,344.00		12,889,854.00	
विविध व्यय	417,445.00		1,314,569.00	
समाचार पत्र और पत्रिकांए	88,562.00		94,687.00	
दुरभाश व्यय	584,941.00		618,562.00	
विज्ञापन व्यय	6,526,684.00		14,457,401,00	
घरेलु यात्रा	725,985.00		1,083,296.00	
विदे ाी यात्रा	789,433.00		344,052.00	
व्यावसायिक भुल्क	69,540.00		45,326.00	
प्रका ान	1,301,095.00		1,619,954.00	
बैंक प्रभार	648.64		23,108.00	
अनुसंधान और सर्वेक्षण	302,906.00		888,544.00	
कार्यलय भवन निरिक्षण	–		–	
		29,555,610.64		39,157,978.00
प्र िक्षण कार्यक्रम/कार्य ाला पर व्यय				
दक्षिण ए िया कार्यक्रम व्यय	1,635,306.00	1,635,306.00	–	1,700,000.00
समापन भोश				
चैक जारी पर सावधि जमा के लिए पे ा नहीं	–		–	
बैंक भोश (सीपीएफ सावधि जमा)	38,075,838.00		32,442,792.00	
बैंक भोश (अन्य सावधि जमा)			49,502,112.00	
बैंक भोश (चालु खाता)	61,483,142.46	99,558,980.46	(9,145,340.01)	72,799,563.99
कुल		203,963,892.99		173,460,078.99

प्रस्तुत प्रतिवेदन मूल रूप से अंग्रेजी में लिखित प्रतिवेदन का हिन्दी अनुवाद है। यदि इसमें कोई विसंगति पाई जाती है तो अंग्रेजी में लिखित प्रतिवेदन मान्य होगा।

सारणी : 11 खातों के लिए सार्थक लेखांकन और टिप्पनियां

महत्वपूर्ण लेखा नितियां और खातों पर टिप्पनियां

1. सार्थक लेखांकन नीतियां

(ए) वित्तीय वक्तव्य ऐतिहासिक लागत परंपरा के आधार तथा नकद आधार पर तैयार किए जाते हैं और आम तौर पर स्वीकार्य लेखा पद्धतियों के अनुसार होते हैं।

(बी) भौतिक सत्यापन के लिए अचल संपतियां रजिस्टर बनाया गया है और परियोजना के तहत हासिल की गई सभी अचल संपत्तियों को राश्ट्रीय आपदा प्रबंधन संस्थान के वित्तीय खाते में उन वित्तीय वर्श में पूंजीकृत कर दिया गया है जिसमें ऐसी संपत्ति का अधिग्रहण किया गया था। अचल संपतियों के अधिग्रहण की लागत में स्थापना की लागत सहित किसी भी वर्श तक का अवमूल्यन भी लिया गया है। जो आयकर अधिनियम के तहत निर्दिश्ट दरों के अनुसार ही अवमूल्यन को नि चत परिसंपत्तियों पर लिया जा रहा है।

(सी) लेखा नितियां वि ोश रूप से उल्लिखित नहीं है। अन्यथा यह आम तौर पर स्वीकार्य लेखा प्रक्रियाओं के अनुरूप हैं।

(डी) प्राप्त अनुदान खातों की पुस्तकों में दर्ज की जा रही है जब वह प्राप्त हो रही है।

(ई) खातों में सभी व्यय लिखे जा रहे है जब वे खर्च किए जाते हैं और भुगतान किये जाते हैं।

(एफ) विदे ाी मुद्रा में निहित लेनदेन, लेनदेन के दिनांक पर मौजूद विनिमय दर पर होता है।

(जी) प्रबंधन अपने कर्मचारियों के लिए भविश्य निधि में योगदान देता है और यह भी बरकरार किया जाता है तथापि यह भविश्य निधि योगदान न तो सांविधिक भवि य निधि और न ही किसी मान्यता प्राप्त भविश्य निधि में निवेश करता है संस्थान उस फंड को पीएसयू बैंकों को टर्म डिपॉजिट के रूप में रखता है और उस पर अर्जित ब्याज को सरकारी ट्रेजरी के साथ जमा किया जा रहा है। हालांकि, सीपीएफ अकाउंट पर देय ब्याज, खातों की पुस्तकों में प्रदान किया जाता है और वार्शिक अनुदान से भी भुल्क लिया जाता है। यह नीति का पालन किया जाता है क्योंकि संस्थान को इस विशय में किसी केंद्रीय अभिलेख रखने वाली एजेंसी से कोई मान्यता प्राप्त नहीं हुई है। संस्थान कों जल्द ही केंद्र से मान्यता प्राप्त होगी, और यह रा ि। भविश्य निधि के रूप में किसी मान्यता प्राप्त भविश्य निधि में निवेश कि जायेगी।

(एच) गत वर्श के आकड़े जब आव यक हो पुर्ण व्यवस्थित या पुर्ण एकत्रित किये जा सकते है।

2. आकस्मिक देनदारियां

संस्थान के विरूद्ध दावों को ऋण के रूप में स्वीकार्य नहीं किया।

3. प्रबंधन की राय में चालू सम्पतियों का मुल्यांकन, ऋण और अग्रिम, व्यवसाय के सामान्य तरीकों में किसी भी तरह तुलन पत्र मं लिखित से कम नहीं होगा, सभी सुचित देनदारियों के लिए लेखों में प्रावधान किया गया।

4. गृह मंत्रालय(डी एम विभाग), भारत सरकार के निदे ानुसार पत्र संख्या 45–5/2008–एनडीएम–IV/II तारिख 23 मार्च, 2010 के अनुसार एक सार्वजनिक बही खाता बनाया जाये और योजनाओं से प्राप्त भाुद्ध बचत तथा जमा रकम से अर्जित ब्याज को भारत सरकार के संगठित निधि मे जमा किया जाये। वितिय वर्श 2014–15 के लिए पीएलए खाते के लिए वित्तिय विवरण अलग से तैयार किये गये।

फर्म जीएफआर 19–ए

भारत सरकार के निर्णय (1)नियम 150 के नीचे देखें

उपयोगीकरण प्रमाणपत्र

क्रम सख्यां	पत्र संख्या और तारिख	रा ि (रूपये)	
1.	45–27/2015 एनडीएम – II तारिख 10.07.2015 को	9,00,00,000/–	प्रमाणित किया जाता है कि वर्श 2015–2016 के दौरान रूपये 12,00,00,000/– की अनुदान रा ि राश्ट्रीय आपदा प्रबंधन संस्थान के पक्ष में स्वीकार कि गयी जिनका कार्यालय आईआईपीए कैम्पस, आईपी इस्टेट, नई दिल्ली – 110002 में गृह मंत्राालय के अधिन स्थापित है संचय में दि गई पत्र संख्या और अनउपयुक्त रूपयें 2,37,77,042/– पिछले साल से स्थान्तिरित किये गये रूपये 10,02,86,714/– को राश्ट्रीय प्रंबधन कार्यक्रम में केन्द्रीय क्षेत्र योजना पर जिसके लिए यह अबंटित था और वर्श के अन्त भोश रूपये 4,34,90,328/– अगले वर्श के लिए अनुदान के रूप में समायोजित कर दिये गये।
2.	45–27/2015 एनडीएम – II तारिख 28.09.2015 को	3,00,00,000/–	
	कुल	12,00,00,000/–	
2.	प्रमाणित किया जाता है कि में अपने आप से सन्तुश्ट हुं कि जिन परिस्थितियों के लिए अनुदान स्वीकृत किया गया उन्हें परिपुर्ण किया गया। मैने पुर्ण जांच कि तथा पाया कि जिस कार्य के लिए रूपये को स्वीकृत किया गया था पुर्ण किया गया।		

जांच प्रक्रिया के प्रकार

दस्तावेजी प्रमाण को जिनमें बिल, भुगतान पर्ची, बैंक विवरण तथा लेखा पुस्तके भाामिल थी, सत्यापित किया गया

राश्ट्रीय आपदा प्रबंधन संस्थान

(गृह मंत्रालय)

सार्वजनिक बही खाता (पीएलए)

31 मार्च, 2016 को तुलन पत्र

		31.03.2016	31.03.2015
		रा ि ा रूपये पैसे	रा ि ा रूपये पैसे
कोश/चालू निधि और देनदारियां			
आरक्षित और अधि ेश	'1'	731,560.00	731,560.00
निर्धारित निधि	'2'	2,955,935.00	2,453,782.14
चालू देनदारियां और प्रावधान	'3'	2,990,577.28	575,,224.00
	कुल	6,678,072.28	3,760,566.14
सम्पतियां			
चल सम्पतियां, ऋण और अग्रिम 11,093,056.00	'4'	6,678,072.28	3,760,566.14
	कुल	6,678,072.28	3,760,566.14

प्रस्तुत प्रतिवेदन मूल रूप से अंग्रेजी में लिखित प्रतिवेदन का हिन्दी अनुवाद है। यदि इसमें कोई विसंगति पाई जाती है तो अंग्रेजी में लिखित प्रतिवेदन मान्य होगा।

राश्ट्रीय आपदा प्रबंधन संस्थान

(गृह मंत्रालय)

सार्वजनिक बही खाता (पीएलए)

31 मार्च, 2016 को समाप्त होने वाले वर्श के लिए आय और व्यय खाता

		31.03.2016 रा ि ा रूपये पैसे	31.03.2015 रा ि ा रूपये पैसे
आय			
जर्नल कि बिक्री		–	1,250.00
ब्याज आय		179,937.00	176,307.00
विविध प्राप्तियां		–	95,754.00
	कुल	179,937.00	273,311.00
व्यय			
बैंक प्रभार		204.00	214.00
	कुल	204.00	214.00
अधि ेश/घाटा संतुलित किया गया(ए–बी)		179,733.00	273,097.00
घटा : बचत पीएओ, एमएचए खाते में हस्तांतरित		179,733.00	273,097.00
भोश अधि ेश (घाटा) तुलन पत्र में स्थांतरित(ए–बी+सी)		–	–

राश्ट्रीय आपदा प्रबंधन संस्थान

		31,.03.2016 को रा ि ा	31,.03.2015 को रा ि ा
सारणी : 1			
आय की व्यय पर अधिकता			
प्रांरभिक भोश		731,560.00	731,560.00
	कुल	731,560.00	731,560.00
सारणी : 2 निर्धारित निधि			
1. नव ओखला औद्योगिक विकास प्राधिकरण द्वारा आपदा प्रबंधन योजना के लिए अनुदान			
प्रांरभिक भोश		770,249.00	770,249.00
जमा : वर्श के दौरान प्राप्त		–	–
		770,249.00	770,249.00
2. गृहमंत्रालय द्वारा एनडीएमए को पांच राज्यों मे बहु खतरा योजना के लिएप्राप्त निधि			
प्रांरभिक भोश		–	–
जमा : वर्श के दौरान प्राप्त		1,000,000.00	–
घटा : वर्श के दौरान उपयोग		–	–
घटा : अलग खाते में हस्तांतरित		–	–
		1,000,000.00	–
3. एमओएसटी द्वारा जलवायु परिवर्तन कार्यक्रम पर विचार–मंथन के लिए प्राप्त निधि			
प्रांरभिक भोश	400,000.00		400,000.00
घटा : भोश सरकारी खाते में हस्तांतरित	(400,000.00)		
			400,000.00
4. एनडीएमए द्वारा एनएच और सीडी योजना के लिए प्राप्त निधि			
प्रांरभिक भोश	689,000.00		689,000.00
घटा : भोश सरकारी खाते में हस्तांतरित	(689,000.00)		–
			689,000.00
5. एमसीडी द्वारा न्याय संबधि योजना के लिए प्राप्त निधि			
प्रांरभिक भोश	–		131,892.00
वर्श के दौरान प्राप्त	–		–
कमचारीयों से प्राप्त अनउपयोगी भोश	–		–
	–		131,892.00
घटा : वर्श के दौरान उपयोग/खर्चे	–		131,892.00
	–		–

प्रस्तुत प्रतिवेदन मूल रूप से अंग्रेजी में लिखित प्रतिवेदन का हिन्दी अनुवाद है। यदि इसमें कोई विसंगति पाई जाती है तो अंग्रेजी में लिखित प्रतिवेदन मान्य होगा।

6.	ओनलाईन वेब पाठ्यक्रम द्वारा प्राप्त निधि		
	प्रारंभिक भोश	43,527.14	564,092.14
	जमा : वर्श के दौरान प्राप्त	355,571.14	667,752.00
		399,098.28	1,231,844.14
	घटा : वर्श के दौरान उपयोग/व्यय	254,480.00	1,188,317.00
	घटा : सरकारी खाते में बचत जमा	(144,618.28)	–
			43,527.14
7.	सार्क द्वारा एसएडीकेएन योजना के लिए प्राप्त निधि		
	प्रारंभिक भोश	103,780.00	103,780.00
	वर्श के दौरान प्राप्त	–	–
	सरकारी खाते में बचत जमा	–	–
			103,780.00
	घटा : वर्श के दौरान उपयोग/व्यय	–	–
		103,780.00	103,780.00
8.	एमएचए द्वारा दक्षिण आफ्रिकान अधिकरियों के लिए प्रि ाक्षण कार्यक्रम के लिए प्राप्त निधि		
	प्रारंभिक भोश		
	जमा : वर्श के दौरान प्राप्त	1,500,000.00	–
		1,500,000.00	
	घटा : वर्श के दौरान प्राप्त उपयोग/व्यय	1,500,000.00	
	घटा : सरकारी खाते में बचत जमा	–	
		—	—
9.	माड्युल बनाने हेतु यूएसएआईडी से प्राप्त निधि		
	प्रारंभिक भोश	400,000.00	400,000.00
	वर्श के दौरान प्राप्त	–	–
	घटा : वर्श के दौरान उपयोग/व्यय	–	–
		400,000.00	400,000.00
10.	यूजीसी से प्राप्त निधि		
	प्रारंभिक भोश	–	–
	जमा : वर्श के दौरान प्राप्त	700,000.00	
		700,000.00	–
	घटा : वर्श के दौरान प्राप्त उपयोग/व्यय	18,094.00	–
		681,906.00	–
11.	आईसीएसएसआर से बुंदेलखण्ड मे भेद्यता मूल्यांकन और भामन वि ले ाण हेतु प्राप्त निधि		
	प्रारंभिक भोश	47,226.00	47,226.00
	जमा : वर्श के दौरान प्राप्त	–	–
		47,226.00	47,226.00
	घटा : सरकारी खाते में बचत जमा	(47,226.00)	–
		–	47,226.00
	कुल	2,955,935.00	2,453,782.14

प्रस्तुत प्रतिवेदन मूल रूप से अंग्रेजी में लिखित प्रतिवेदन का हिन्दी अनुवाद है। यदि इसमें कोई विसंगति पाई जाती है तो अंग्रेजी में लिखित प्रतिवेदन मान्य होगा।

सारणी : 3 चालू देनदारियां और प्रावधान

	31,.03.2016 को रा ि ा	31,.03.2015 को रा ि ा
एमएचए को देय योजना बचत	1,460,577.28	545,224.00
अग्रिम धन सुरक्षा जमा	30,000.00	30,000.00
एनआईडीएम (मेन)	1,500,000.00	–
देययोग्य व्यय	–	–
कुल	2,990,577.28	575,224.00

सारणी : 4 चल सम्पति, ऋण और अग्रिम

		31,.03.2016 को रा ि ा	31,.03.2015 को रा ि ा
ए	चल समप्तियां		
	रोकड़ भोश	–	–
	बैकं भोश		
	युको बैंक खाता संख्या 6139	6,678,072.28	3,760,566.14
		6,678,072.28	3,760,566.14

राश्ट्रीय आपदा प्रबंधन संस्थान

31 मार्च, 2016 को समाप्त होने वाले वर्श के लिए प्राप्ति और भुगतान खाता

	31.03.2016 रूपये पैसे		31.03.2015 रूपये पैसे	
प्रारभिक भोश				
यूको बैंक (बचत खाता)	3,760,566.00	3,760,566.14	4,373,034.14	4,373,034.00
प्राप्तियां				
वर्श के दौरान प्राप्त				
डब्लुबीआई ओनलाईन कोर्स से प्राप्ति	355,571.14		667,752.00	
यूएसएआईडी योजना से प्राप्ति	–		–	
मेघालय सरकार से प्राप्त अनउपयोगी रा ि	–		272,127.00	
साउथ अफ्रिकन कार्यक्रम से प्राप्ति	1,500,000.00		–	
एनडीएमए से योजना के लिए प्राप्ति	1,000,000.00		–	
यूजीसी के लिए प्राप्ति	1,000,000.00		–	
एनआईडीएम मुख्य खाते से प्राप्ति	700,000.00		–	
	–			
		3,555,571.14		939,879.00
अन्य प्राप्तियां				
विविध प्राप्तियां	–		95,754.00	–
जर्नल की बिक्री	–		1,250.00	–
अर्जित ब्याज	179,937.00	179,937.00	176,307.00	273,311.00
कुल		7,496,074.28		5,586,224.14
भुगतान				
योजना व्यय				
एनसीएमपी योजना के लिए पराम ि भुल्क	–		–	
एनसीआरएमपी योजना के लिए मुलाकात व्यय	–		–	
एनसीआरएमपी योजना के लिए पीआईयू चालू लागत	–		–	
एनसीआरएमपी योजना के लिए वेतन	–		–	
एनसीआरएमपी योजना के लिए वाहन खर्चे	–		–	
एमसीडी–कानुनी जांच योजना के लिए व्यय	–		131,892.00	
एनडीएमए की एनएचसीडी योजना	–		–	
यूएसएआईडी योजना व्यय	–		–	
एनडीएमए – राश्ट्रीय चक्रवात भामन योजना के लिए व्यय	–		–	
डब्लुबीआई–ओनलाईन कार्यक्रम व्यय	–		–	
साउथ अफ्रिकन आधिकारियों के लिए प्ररिक्षण व्यय	–		–	
यूएनडीपी–जीओआई डीआरआर कार्यक्रम व्यय	–		–	
युजीसी व्यय	18,094.00		–	
एनसीआरएमपी योजना के लिए हस्तांतरित	–		–	
आईसीएसएसआर सुखा योजना	–		–	
पराम ि भुल्क		18,094	–	131,892.00
अन्य व्यय				
आन लाईन व्यय	254,480.00	–	1,188,317.00	–
एनसीआरएमपी योजना के लिए अग्रिम	–		–	
ऋण और अग्रिम भुद्ध	–		–	
देययोग्य व्यय	–		130,355.00	
बैंक खर्चे	204.00		214.00	
एमएचए को योजना बचत	6,678,072.28	6,678,072.28	3,760,566.14	3,760,566.14
कुल		7,496,074.28		5,586,224.14

प्रस्तुत प्रतिवेदन मूल रूप से अंग्रेजी में लिखित प्रतिवेदन का हिन्दी अनुवाद है। यदि इसमें कोई विसंगति पाई जाती है तो अंग्रेजी में लिखित प्रतिवेदन मान्य होगा।



राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन संस्थान

गृह मंत्रालय, भारत सरकार

5बी, आई आई पी ए कैम्पस, आई. पी. इस्टेट, महात्मा गांधी रोड़

नई दिल्ली–110002

वेब साईट : www.nidm.gov.in